राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 03 मई 2025 वर्ष-8,अंक-73 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बाबा केदारनाथ के कपाट खुले, 108 क्विंटल फूलों से सजाया गया धाम

नई दिल्ली ।

सर्दियों में छह माह बंद रहने के बाद केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिए गए हैं। इस मौके पर हिमालय स्थित इस मंदिर को देश-विदेश से मंगाए गए विभिन्न प्रकार के 108 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। केदारनाथ धाम के कपाल खुल गए हैं। ये भगवान शिव को समर्पित बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है और यह उत्तराखंड में स्थित चार धाम यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर साल सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और अक्षय तृतीया के पावन पर्व के आसपास शुभ मुहूर्त देखकर इसे फिर से खोला जाता है। कपाट खुलने की प्रक्रिया में विभिन्न पारंपरिक अनुष्ठान शामिल होते हैं, जिसमें बाबा केदार की चल विग्रह डोली का उनके शीतकालीन प्रवास स्थल, उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर से केदारनाथ धाम तक का सफर शामिल है। कपाट खुलने के साथ ही हजारों श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए धाम पहुंचते हैं। इस शुभ अवसर के लिए मंदिर और उसके आसपास के परिसर को भव्य रूप से सजाया गया है। धाम को सजाने के लिए लगभग 108 क्विंटल फूलों का इस्तेमाल किया गया है। केदारनाथ धाम रुद्रप्रयाग जिले में समुद्र तल से 11,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर स्थित है। मंदिर को सजाने में जुटे स्वयंसेवकों की टीम का नेतृत्व कर रहे गुजरात के वडोदरा निवासी सृजल व्यास ने बताया कि सजावट के लिए गुलाब और गेंदा समेत 54 प्रकार के फूलों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने बताया कि ये फूल दिल्ली, कश्मीर, पुणे, कोलकाता और पटना के अलावा नेपाल, थाईलैंड और श्रीलंका से लाए गए हैं। व्यास ने बताया कि गेंदे के फूल विशेष रूप से कोलकाता के एक खास गांव से लाए जाते हैं, क्योंकि स्थानीय किस्म के विपरीत ये जल्दी मुरझाते नहीं हैं और औसतन 10-15 दिनों तक ताजा बने रहते हैं।मंदिर के सौंदर्यीकरण के काम में पश्चिम बंगाल के 35 कलाकारों ने भी मदद की है। सर्दियों के दौरान उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में रखी जाने वाली भगवान शिव की मूर्ति फूलों से सजी पालकी में गौरीकुंड से रवाना होकर केदारनाथ धाम पहुंच गई है। केदारनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी भीमाशंकर लिंग ने कहा कि शुक्रवार सुबह सात बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उन्होंने कहा कि मंदिर को खोलने के लिए तैयारियां सुबह छह बजे से प्रारंभ कर दी गई थीं। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल ने यहां बताया कि इस बार केदारनाथ में श्रद्धालुओं को एक नयी बात देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि काशी, हरिद्वार और ऋषिकेश मे होने वाली गंगा आरती की तर्ज पर इस बार यहां मंदिर के किनारे

मंदाकिनी और सरस्वती के संगम पर भव्य आरती शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरती के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गयीं हैं। उन्होंने बताया कि दोनों नदियों के संगम पर तीन ओर से रैंप बनाए गए हैं, जिससे श्रद्धालु उसके दर्शन कर सकें।

पीएम मोदी का स्वागत करने दिल्ली से केरल पहुंचे शशि थरूर, बोले- अच्छा हुआ समय पर आ गया

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने दिल्ली से केरल पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने खुशी जाहिर की और कहा कि अच्छा हुआ समय पर आ गया। पीएम मोदी विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार शाम को केरल पहुंचे थे। कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी का केरल में स्वागत करने पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर देरी के बावजूद मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए समय पर तिरुवनंतपुरम में उतरने में सफल रहा। मैं विझिनजाम बंदरगाह के आधिकारिक रूप से चालू होने का इंतजार कर रहा हूं। यह एक ऐसी परियोजना है जिसमें शुरू से ही शामिल होने पर मुझे गर्व है। एयरपोर्ट पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बिना परमिट के है जाने पर 4.5 लाख का जुर्माना

-10 साल तक हज पर लगेगी पाबंदी

नई दिल्ली । सऊदी अरब के प्रशासन ने हज यात्रियों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी की है। बिना अनुमति के हज यात्रा करने वालों के ऊपर प्रशासन भारतीय मुद्रा में 4.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाएगा। बिना पंजीकरण के यात्री की मदद करने वालों के ऊपर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। इस तरह के समूह या एजेंसी पर 22.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। जो भी होटल मालिक मालिक अपार्टमेंट किराए पर जगह देगा।उस पर भी सऊदी अरब का प्रशासन कडा दंड देगा। जो नए नियम बनाए गए हैं। उसमें 10 साल तक के बच्चों को हज यात्रा की अनुमति नहीं होगी। वाहन चालकों के लिए भी अवैध यात्री को ले जाने पर उसके वाहन को जप्त कर लिया जाएगा। उसके ऊपर भी जुर्माना लगाने का प्रावधान प्रशासन द्वारा किया गया है। बिना पंजीकरण के अवैध तरीके से हज करने वाले यात्रियों के कारण अव्यवस्था फैलती है। कुछ छोटे-बड़े हादसे भी होते रहते हैं।इसको रोकने के लिए सऊदी अरब प्रशासन ने कड़े नियम बनाए हैं। भारतीय यात्रियों को इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पर हुए 10 लाख से ज्यादा साइबर अटैक

मुंबई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद महाराष्ट्र साइबर ने पाकिस्तान समेत कई देशों के हैकिंग गैंग की ओर से भारतीय सिस्टम पर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमले दर्ज किए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राज्य पुलिस की साइबर शाखा महाराष्ट्र साइबर ने पाया कि कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद डिजिटल हमले की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। महाराष्ट्र साइबर विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत पर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमले हुए। भारतीय वेबसाइटों और पोर्टलों को निशाना बनाकर किए गए ये हमले पाकिस्तान, मध्य पूर्व, इंडोनेशिया और मोरक्को से किए गए थे। उन्होंने कहा कि यह संभवतः यह एक साइबर युद्ध हो सकता है। महाराष्ट्र साइबर ने इनमें से कई हमलों को विफल कर दिया है। उन्होंने कहा कि नोडल कार्यालय ने सभी सरकारी विभागों को सलाह दी है, जिसमें उन्हें अपने साइबर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने को कहा है। बता दें 22 अप्रैल को पहलगाम के निकट बैसरन में आतंकवादियों ने 28 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल-जगुआर उतरेंगे

-पांच किमी दायरे में किसी भी अनाधिकृत का प्रवेश प्रतिबंधित, यातायात रहेगा बंद

शाहजहांपुर।

यूपी में सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे के साथ ही गंगा एक्सप्रेस-वे के नाम एक और उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। शुक्रवार को वायुसेना के लड़ाकू विमान दिन के उजाले के साथ ही रात में भी उतरने व उड़ने का अभ्यास करेंगे। इसके साथ ही रात में लैंडिंग व टेक ऑफ कराने वाली यह देश के किसी भी एक्सप्रेस-वे की पहली हवाई पट्टी बन जाएगी। इसके लिए वायुसेना के साथ प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां कर ली है। हवाई पट्टी के पांच किमी दायरे में किसी भी अनाधिकृत का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। रात के समय जब विमान यहां उतरेंगे उस समय बेवर पीलीभीत सड़क पर कटरा व जलालाबाद के बीच तीन घंटे तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ का आगमन भी प्रस्तावित था, लेकिन अब वह नहीं आ रहे हैं। एक्सप्रेस-वे पर ट्रायल लैंडिंग सुबह के समय होनी थी, लेकिन अब इसके समय में बदलाव किया है। पहले 9.45 मिनट से साढ़े 10 बजे तक यह आयोजन होना था। अब सुबह 11.30 से दोपहर 1 बजे तक पूर्वाभ्यास किया जाएगा, जबकि शाम 7 से रात 10 बजे के बीच नाइट लैंडिंग व टेक ऑफ कराया जाएगा। इनमें राफेल, जगुआर, मिराज जैसे विमान शामिल रहेंगे। आयोजन में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, सहकारिता राज्य मंत्री जेपीएस राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, वायुसेना व सेना के अधिकारी समेत स्कूली बच्चे भी मौजूद रहेंगे।

आयोजन को सकुशल संपन्न कराने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। 27 अप्रैल से वायुसेना के अधिकारी व जवान यहां तैनात हैं। गुरुवार दोपहर बाद कमांडो का दस्ता भी यहां पहुंच गया। इन सभी ने अपने तैनाती स्थल व हवाई पट्टी पर सुरक्षा को लेकर पूर्वाभ्यास किया। इसके अतिरिक्त एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी भी तीन पालियों में सुरक्षा को संभालेंगे। आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सेवा देने के लिए स्वास्थ्य विभाग की छह टीमें बनाई गई हैं, जबकि पीरू व दियूरा में एक-एक बेड के दो अस्थायी अस्पताल भी तैयार किए गए हैं, जिनमें मिनी ब्लड बैंक से लेकर सभी चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

53 साल पहले लांच किया स्पेसक्राफ्ट हुआ बेलगाम, धरती से टकराया तो मचेगी तबाही?

लंदन।

पृथ्वी से अंतरिक्ष में 53 साल पहले लॉन्च किया गया एक स्पेसक्राफ्ट अब खतरा बन गया है। जल्द ही यह पृथ्वी पर गिरने वाला है। कहानी शुरू होती है 1972 से, जब सोवियत संघ ने शुक्र ग्रह पर उतरने का सपना देखा। लेकिन उनका यह सपना अधूरा ही रह गया। सोवियत संघ ने कोस्मोस 482, अंतरिक्ष यान लॉन्च किया। लेकिन आधे रास्ते में ही मिशन को खराबी का सामना करना पड़ा, जिस कारण यह धरती की कक्षा में फंस गया। आधा टन धातु का यह गोला अब अनियंत्रित होकर पृथ्वी पर गिरने वाला है। कोई नहीं जानता कि यह अनचाहा मेहमान कहां कहां गिरेगा, वापसी के बाद कितना बचेगा और कितना नुकसान पहुंचाएगा। लैंगब्रोक का कहना है, 'घबराने की जरूरत नहीं, लेकिन खतरा पूरी तरह टला नहीं है।' यह यान छोटा है, सिर्फ 500 किलो का, और अगर यह वातावरण में नहीं जला, तो भी इसका जोखिम 'उल्कापिंड गिरने' जैसा है। हर साल कई उल्कापिंड धरती पर गिरते हैं, और इस यान से नुकसान की संभावना उतनी ही कम है, जितना बिजली गिरने से मरने की। हालांकि अगर इसका हीटशील्ड काम कर गया तो यह बिना जले धरती पर आ सकता है। हार्वर्ड-स्मिथसोनियन सेंटर के जोनाथन मैकडॉवेल ने चेतावनी दी, 'अगर हीट शील्ड नहीं टूटा, तो यह एक बेकाबू धातु का गोला होगा, जो आसमान से गिरेगा। कोस्मोस 482 कोई साधारण स्पेसक्राफ्ट नहीं था। यह एक गोलाकार लैंडिंग कैप्सूल था, जो करीब 1 मीटर चौड़ा था, जिसे शुक्र ग्रह के जहरीले, गर्म वातावरण में उतरने के लिए बनाया गया था। इसका हीट शील्ड इतना मजबूत था कि वह कार्बन डाइऑक्साइड से भरी वीनस की हवा को झेल सकता था। लेकिन रॉकेट फेल हो जाने से यह धरती की कक्षा में अटक गया, और पिछले 53 सालों से यह धरती का चक्कर काट रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डच वैज्ञानिक मार्को लैंगब्रोक का अनुमान है कि यह 10 मई के आसपास पृथ्वी पर गिरेगा। जब यह वापसी करेगा तब इसकी स्पीड 242 किमी प्रति घंटे होगी।

नेशनल हेराल्ड मामला: राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया और राहुल को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली।

नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया। कोर्ट में मामले की दूसरी सुनवाई हुई थी। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा किसी भी स्तर पर बात सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई में जान डालता है। मामले की अगली सुनवाई अब 8 मई को होगी।

25 अप्रैल को कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि आरोपियों का पक्ष सुने बिना हम नोटिस जारी नहीं कर सकते हैं। स्पेशल जज विशाल गोगने ने ईडी की याचिका पर 25 अप्रैल को पहली सुनवाई की थी। उन्होंने कहा कि ईडी की चार्जशीट में कुछ दस्तावेज गायब हैं। उन दस्तावेजों को दाखिल करें। उसके बाद नोटिस जारी करने पर फैसला करेंगे। ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 9 अप्रैल को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे को आरोपी बनाया था।

ईडी ने कोर्ट को बताया था कि हमारी तरफ से कुछ भी नहीं छिपाया जा रहा है। संज्ञान लिए जाने से पहले उन्हें अपनी बात रखने का मौका दिया जा रहा है। हम नहीं चाहते कि आदेश जारी करने में ज्यादा वक्त लगे। इसलिए कोर्ट को नोटिस जारी करना चाहिए। इस पर जज ने कहा कि जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि नोटिस की जरूरत है, हम कोई आदेश नहीं देंगे। आदेश जारी करने से पहले यह देखना होता है कि उसमें कोई कमी तो नहीं है। इससे पहले 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई थी। ईडी ने दिल्ली के हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा (ईस्ट) और लखनऊ के विशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल की बिल्डिंग पर नोटिस चिपकाए गए थे।

आंधी-बारिश और बिजली गिरने से 10 की मौत

मप्र में अगले 4 दिन बारिश, ओले भी गिरेंगे

नई दिल्ली ।

देशभर में मौसम ने करवट ली है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर से अभी भी तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चल रही है। यहां निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। दिल्ली एयरपोर्ट से 100 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का दौर जारी है। पिछले 6 दिन प्रदेश के आधे हिस्से में मौसम बदला हुआ है। कहीं तेज आंधी-बारिश हो रही है तो कहीं ओले भी गिर रहे हैं। ग्वालियर में भिंड में शुक्रवार सुबह से तेज हवा के साथ बारिश हुई। बारिश का दौर सुबह करीब 6-30 बजे से शुरू हुआ। इसके चलते शहर की बिजली बंद हुई। हालांकि, सुबह के समय होने वाली बारिश से तापमान भी कम हुआ है।

युद्ध की आहट के बीच लोग लगे हैं बंकरों की साफ-सफाई में

-बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, लगातार कर रहा एलओसी पर गोलीबारी, भारतीय सेना भी दे रही मुंह तोड़ जवाब

श्रीनगर।

पाकिस्तानी सेना ने एलओसी और आईबी पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है और जम्मू-कश्मीर के पांच सीमावर्ती जिलों में बिना उकसावे के गोलीबारी कर रहा है, जिसका भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए हुए बताया कि पाकिस्तान ने गुरुवार रात को भी एलओसी के पास गोलीबारी की। यह गोलीबारी ऐसे समय में की जा रही है जब 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव है।एलओसी और आईबी के पास रहने वाले आम लोगों ने अपने सामुदायिक और निजी बंकरों की सफाई शुरू कर दी है, अगर गोलाबारी बढ़ी तो वह वहां शरण ले सकें। जम्मू में एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि 1 और 2 मई की दरमियानी रात पाकिस्तानी सैन्य चौकियों की तरफ से जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, नौशेरा और अखनूर क्षेत्रों के सामने स्थित एलओसी पर बिना उकसावे के गोलीबारी की गई जिसका भारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। पाकिस्तान ने शुरुआत में उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा और बारामूला जिलों में एलओसी के पास कई चौकियों पर गोलीबारी की फिर पुंछ सेक्टर और जम्मू क्षेत्र के अखनूर सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। इसके बाद राजौरी जिले के सुंदरबनी और नौशेरा सेक्टर में एलओसी के पास स्थित कई चौकियों पर गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। जम्मू जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर परगवाल सेक्टर में गोलीबारी की गई। भारत और पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशकों के बीच हाल में हॉटलाइन बातचीत में भारत ने पाकिस्तान को चेताया था, इसके बावजूद गोलीबारी रुक नहीं कर रही है।

अल-अक्सा मस्जिद की घटना के बाद बना 57 मुस्लिम देशों का संगठन

- अब पाकिस्तान बता रहा भारत का खतरा, संगठन से लगा रहा गुहार

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रुख सख्त है। कश्मीर के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब पर्यटकों को धर्म पूछकर गोली मारी गई। इस घटना के बाद भारत के सख्त रुख से पाकिस्तान खौफ में है। उसने अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया है। करांची और लाहौर जैसे शहरों में 4 घंटे के लिए उड़ानें बंद कर दी गई तो वहीं सीमा पर उसने बड़े पैमाने पर हथियारों की तैनाती कर दी है। यही नहीं पाकिस्तान ने दुनिया के 57 मुस्लिम देशों के इस्लामिक सहयोग संगठन में भी गुहार लगाई है और भारत को बहुत बड़ा खतरा बताया।

इस्लामिक सहयोग संगठन की ओर से इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पाकिस्तानी मीडिया दावा कर रहा है कि संगठन ने उसकी मदद करने का भरोसा दिलाया है। दरअसल इस्लामिक सहयोग संगठन में कश्मीर में पाकिस्तान मुसलमानों के उत्पीड़न के नाम पर गया था। आमतौर पर यह संगठन दुनिया भर में मुसलमानों के मुद्दे उठाता है, लेकिन कभी भी उसने भारत के खिलाफ कोई सख्त रुख नहीं दिखाया। इसकी वजह है कि इस संगठन के ही कई देश सऊदी अरब, यूएई, ओमान और कतर जैसे देशों से भारत के रिश्ते अच्छे हैं, लेकिन पाकिस्तान 57 मुस्लिम देशों की बात कभी भी तनाव की स्थिति में करता रहा है। इस संगठन के बनने की कहानी भी दिलचस्प है। बता दें 21 अगस्त, 1969 को येरूशलम में स्थित अल-अक्सा मस्जिद में आगजनी की घटना हुई थी। इसे डेनिस माइकल रोहन नाम के एक ऑस्ट्रेलिया शख्स ने अंजाम दिया था। इस आगजनी में मस्जिद को नुकसान पहुंचा था। इस जगह पर मुसलमान, ईसाई और यहूदी धर्म के लोगों के अपने-अपने दावे हैं। ऐसे में जब आग लगी तो मुस्लिमों का गुस्सा भड़क गया। एक अफवाह फैली थी कि डेनिस माइकल एक यहूदी है और इस पर चर्चा करने के लिए तमाम मुस्लिम देशों की कॉन्फ्रेंस हुई। इस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही मुस्लिम देशों के संगठन के गठन का फैसला लिया गया। यह समिट मोरक्को के रबात में 25 सितंबर, 1969 को हुई थी।

इसके बाद सऊदी अरब के जेद्दा में पहली बार 1970 में इस्लामिक देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई और संगठन का एक औपचारिक ढांचा तय किया गया। तब फैसला लिय गया कि संगठन का स्थायी सचिवालय जेद्दा में बनाया जाए। इस संगठन का पहला प्रस्ताव 1972 में आया। शुरुआत में इसके सदस्य 30 मुस्लिम देश ही थे, लेकिन अब आंकड़ा बढ़ते हुए 57 तक पहुंच गय है। यह संगठन मुस्लिम उम्मा यानी दुनिया भर के मुसलमानों को एकजुट करने की बात करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती रुपए की ताकत एवं भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

दिनांक 7 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रेल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रेल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितम्बर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है। भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रेल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रेल 2025 को अपने उच्चतम स्तर 3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ीं थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है। जबकि यूरोप के कुछ देशों यथा जर्मनी, कनाडा आदि एवं ब्रिटेन तथा अमेरिका में मंदी की सम्भावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। लगभग यही हाल यूरोप के कई देशों तथा जापान आदि का है। चीन की आर्थिक विकास दर में भी गिरावट आती हुई दिखाई दे रही है। यदि जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2025 एवं 2026 में गिरावट दर्ज होती है और भारतीय अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर लेती है तो बहुत सम्भव है कि वर्ष 2025 में जापान एवं वर्ष 2026 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे भारत की आंतरिक मजबूती मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई दे रही है। भारत में अभी हाल ही में महाकुम्भ मेला सम्पन्न हुआ है, इस महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ भारतीय मूल के नागरिकों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी मात्रा में नागरिकों के यहां पहुंचने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बल ही मिला है। महाकुम्भ में भाग ले रहे प्रत्येक नागरिक ने औसत रूप से यदि 2000 रुपए भी प्रतिदिन खर्च किए हों और प्रत्येक नागरिक ने औसतन कुल तीन दिवस भी महाकुम्भ में बिताएं हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था को 396,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ पहुंचा है।

रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

संपादकीय

जाति जनगणना

लंबे समय तक असहमति के बाद आखिरकार भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार ने घोषणा कर दी है कि जाति गणना अगली जनगणना का हिस्सा होगी। बहरहाल, भाजपा ने विपक्ष के जातीय गणना के मुद्दे की हवा निकाल दी है। यह आश्चर्यजनक निर्णय विषम परिस्थितियों के बीच आया है जब देश को उम्मीद थी कि सरकार पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करेगी। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित चुनावी प्राथमिकताओं से प्रभावित नहीं होंगे। निस्संदेह, राजग का अल्पकालिक लक्ष्य इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव जीतना है। वहीं बड़ा उद्देश्य देशभर में जाति के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य प्रतिद्वंद्वी दलों को पछाड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2023 में यह कहकर चीजों को सरल बनाने की कोशिश की थी कि देश में चार ही जातियां हैं- महिलाएं, युवा, किसान और गरीब। यही वजह है कि ध्रुवीकरण की अपनी ताकत के प्रति आश्वस्त भगवा पार्टी ने विपक्ष को जाति का कार्ड खेलने दिया। हालांकि, इसका झटका भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में लगा। ये परिणाम भाजपा के लिये आंख खोलने वाला था। हालांकि, वह नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के सहयोग से किसी तरह सरकार बनाने में कामयाब हो गई। इस बात में कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि गठबंधन की मजबूरियों के चलते ही भाजपा को जाति जनगणना के मुद्दे पर यह फैसला लेना पड़ा है। हालांकि, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के दबाव ने भी इस निर्णय में बड़ी भूमिका निभाई है। एक अन्य प्रमुख कारण भीमराव अंबेडकर की विरासत को लेकर खींचतान भी है। कोई भी राजनीतिक दल सामाजिक न्याय के उनके महान सपने को पूरा करने के लिये आधे-अधूरे दृष्टिकोण को अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकता, खासकर भाजपा। कहा जा रहा है कि जाति जनगणना के जरिये नीति निर्माताओं को विशिष्ट समुदायों की आवश्यकता के अनुसार कल्याणकारी योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। इसमें दो राय नहीं कि जाति आधारित जनगणना में पारदर्शी सूचनाओं के संग्रह और डेटा के सार्थक उपयोग से सामाजिक असमानताओं को दूर करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि इसके लिये समय सीमा तय की जाए, क्योंकि पहले ही जनगणना में काफी देरी हो चुकी है। यह भी हकीकत है कि केंद्र सरकार के लिये अगली जनगणना के साथ ही जाति गणना कराने का फैसला खासा चुनौतीपूर्ण है। जिसके गहरे निहितार्थ सामने आ सकते हैं, जो राजनीतिक व सामाजिक परिदृश्य में बदलावकारी प्रभाव छोड़ सकते हैं। बहुत संभव है कि इसके बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग भी जोर पकड़े। लेकिन प्रथम दृष्टया भाजपा विपक्ष के बड़े हथियार को हथियाने में सफल रही है। उल्लेखनीय है कि साल 1931 तक हुई जनगणना में जाति गणना भी शामिल रही है, लेकिन स्वतंत्र भारत में इसकी आवश्यकता को नकार दिया गया। हालांकि, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना की जाती रही। वैसे साल 2011 में सामाजिक व आर्थिक उद्देश्यों के लिये जाति गणना की तो जरूर गई, लेकिन विसंगतियों के चलते आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। जबकि पिछले कुछ समय से विपक्ष आरक्षण को तार्किक बनाने के लिये जाति गणना की वकालत करता रहा है। हालांकि, पहले भाजपा भारतीय समाज के हित में जाति गणना के प्रस्ताव को अप्रासंगिक बताती रही है, लेकिन देश के राजनीतिक परिदृश्य में विपक्ष द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाने के बाद केंद्र को इस बाबत फैसला लेने को बाध्य होना पड़ा।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

(लेखक- ललित गर्ग)

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन् 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है। जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा। निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेश को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं। भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं।

(चिंतन-मनन)

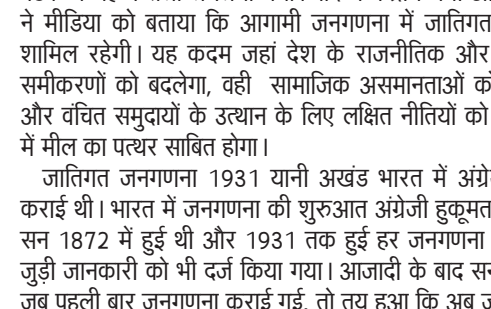

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

विचार मंथन

कमंडल के मुकाबले में अब मंडल की राजनीति का समय

(लेखक- सनत जैन)

वक्त के साथ सब कुछ बदलता है। 1989 में देश में मंडल और कमंडल की नई राजनीति की शुरुआत हुई थी। इस राजनीति ने कांग्रेस को काफी कमजोर कर दिया। भारतीय जनता पार्टी और क्षेत्रीय दलों का बड़े प्रभावी ढंग से उदय हुआ, लेकिन मंडल पर कमंडल भारी पड़ा। 1991 से लेकर 2024 तक की राजनीति कमंडल पर हुई। राम नाम की लूट है लूट सके तो लूट की तर्ज पर भारतीय जनता पार्टी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ती चली गई, लेकिन अब समय बदल रहा है। जिस तरह से जन्म-मृत्यु निर्वाद सत्य है उसी तरह राजनीति में भी समय बदलता है। समय के साथ भाग्य में भी बदलाव आता है। 2011 की जनगणना में जातियों की भी गणना की गई थी। 2011 की जनगणना में पहली बार भारत में 86 लाख जातियों का समावेश हुआ था। अंग्रेजों के जमाने में 1931 में जो जाति जनगणना हुई थी उसी समय 4000 जातियां और उपजातियों के आधार पर जनगणना के परिणाम आए थे। 2011 में यह स्थिति पूरी तरह से बदल गई। 2011 में जनगणना पंजीयक द्वारा सामाजिक, आर्थिक, जातीय जनगणना पर 4389 करोड रुपए खर्च किए गए थे। बड़े पैमाने पर जनगणना हुई थी। 2011 की जनगणना ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से पूरी की गई थी। इस जनगणना मे जनगणना कर्मियों ने घर-घर जाकर सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, आय, व्यवसाय, आवास की स्थिति, रहन-सहन का स्तर, वाहन से संबंधित जानकारी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनी उपकरण, खेती-किसानी का तौर तरीका और उसमें उपयोग होने वाले उपकरणों, परिवार में नौकरी से संबंधित जानकारी, सरकारी सेवा में लोगों की जानकारी, सरकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी, जातीय तथा उपजाति के आधार पर सारी सूचनाएं एकत्रित की गईं थीं। भारत के 640 जिलों में 24 लाख ब्लॉक में यह जनगणना की गई थी। 2011 से यह जनगणना शुरू हुई थी जो 2016 में जाकर पूर्ण हुई थी। 2016 में जब जाति जनगणना के आंकड़े आए तो इसे तत्कालीन मोदी सरकार ने स्वीकार नहीं किया। जनगणना के आंकड़ों से इसे अलग कर दिया गया। 2011 की जनगणना में 40 लाख से अधिक जातियों की पहचान हुई थी। इनको पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी और सामान्य वर्ग में विभाजित करने को लेकर सरकार असमंजस में रही। 2016 में यदि जाति जनगणना के आंकड़े प्रकाशित होते तो यह देश की राजनीति को बदल सकते थे। इस डर को ध्यान में रखते हुए सरकार ने इसे उजागर नहीं किया। जातीय जनगणना को लेकर पिछले कुछ वर्षों में बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक ने अपने तरीके से जातीय सर्वेक्षण कराए हैं। उनके आंकड़े भी सामने आए है। भारत की सामाजिक व्यवस्था में धार्मिक एवं जाति आधार बहुत मजबूत हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा विविधता वाला देश है। यहां पर सभी धर्म के लोग रहते हैं। सबसे ज्यादा बोलियां हैं, सबसे ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, सबसे ज्यादा धर्म जाति आधार पर देखने को मिलते हैं। भारत की एक बड़ी दलित और आदिवासी आबादी अपनी विभिन्न परंपराओं और विभिन्न आस्थाओं के कारण एक अलग पहचान बनाती है। उनकी मान्यताएं भी अलग-अलग होती हैं। 2016 में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू यादव ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। उन्होंने 2016 में एक बार फिर मंडल और कमंडल की लड़ाई को तेज करने की कोशिश की थी। लालू यादव जेल गए, वहां उनका स्वास्थ्य खराब हो गया उसके बाद यह मांग कमजोर पड़ गई थी। लालू यादव चाहते थे कि 2011 की जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक किया जाए। मोदी सरकार इससे बचती रही। 2022 के बाद यह मुद्दा एक बार फिर जोर पकड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर एक आंदोलन चलाने की कोशिश की, जो सफल होती हुई दिख रही है। सरकार को भी 2025 में जनगणना के साथ जाति जनगणना करने के लिए विवस होना पड़ा है। भारत में स्वर्ण आबादी जनसंख्या के अनुपात में काफी कम है। अलग-अलग राज्यों में जाति समूह के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था जमीन से जुड़ी हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव में जाति जनगणना सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित की गई थी।

उसके आधार पर बड़े राजनीतिक परिवर्तन की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। इसी दबाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी अभी तक जाति जनगणना का विरोध कर रही थी, लेकिन उसे भी अब जाति जनगणना के समर्थन में आना पड़ा है। मोदी सरकार के इस निर्णय का क्या असर भविष्य की राजनीति में पड़ेगा, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी हैं। 2014 के बाद से अति हिंदूवाद ने कई जाति और समूहों के बीच में एक अलगाव की स्थिति लाकर खड़ी कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑडी 15 मई से वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली।

लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने 15 मई से वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि विनिमय दर और कच्चे माल की लागत के प्रभाव को आंशिक रूप से कम करने के मकसद से कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। देश में ऑडी इंडिया के सभी मॉडल की कीमतों में वृद्धि की जा रही है। ऑडी इंडिया के एक अधिकारी कहा कि विनिमय दर और कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण हम दो प्रतिशत तक का मूल्य समायोजन लागू कर रहे हैं। ऑडी इंडिया भारत में ए4, क्यू5, क्यू7 और आरएस ई-ट्रॉन जीटी सहित विभिन्न मॉडल बेचती है। यह बढ़ोतरी ग्राहकों के लिए नए वाहन की खरीद पर असर डालेगी।

तूफानी तेजी में उछला रेलटेल का शेयर

- मार्च 2025 तिमाही में मुनाफा बढ़कर 113 करोड़ रुपये तक पहुंचा
- नवरत्न कंपनी के शेयर बने रॉकेट, 113 करोड़ रुपये से ज्यादा का हुआ है मुनाफा

नई दिल्ली।

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयरों में बाजार खुलते ही एक नई तूफानी तेजी नजर आ रही है। मल्टीबैगर रेल कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 10 फीसदी से अधिक उछलकर 326.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस तेज उछाल की पीछे मार्च 2025 तिमाही के शानदार नतीजों का अहम योगदान है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में रेलटेल कॉरपोरेशन का मुनाफा 46.3 पर्सेंट बढ़कर 113.4 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 77.53 करोड़ रुपये था। रेलटेल कॉरपोरेशन का रेवेन्यू भी मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 57 पर्सेंट बढ़कर 1308.28 करोड़ रुपये पहुंच गया है। यह एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी के रेवेन्यू 832.7 करोड़ रुपये था। रेलटेल को 30 अगस्त 2024 को नवरत्न कंपनी का दर्जा मिला है, जिससे उसकी मान्यता में एक और चारण मिल गया है। रेलटेल कॉरपोरेशन ब्रॉडबैंड और वीपीएन सर्विसेज उपलब्ध कराती है और इसका मार्केट कैप 2 मई 2025 को 10,310 करोड़ रुपये से भी अधिक हो गया है।

यूट्यूब पर निवेशकों को गुमराह करने वाले 3 लोगों पर 70 लाख का जुर्माना

5 साल के लिए सिक्योरिटी बाजार से बैन

नई दिल्ली।

शेयर बाजार का ज्ञान बांटने वालों 3 लोगों पर मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने कुल 70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मनीष मिश्रा पर 50 लाख रुपये जबकि विवेक चौहान और अंकुर शर्मा पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माने के अलावा, मिश्रा और शर्मा को अवैध रूप से कमाए गए मुनाफे को वापस करने का आदेश दिया गया है। मिश्रा ने 4.37 लाख रुपये और शर्मा ने 6.01 लाख रुपये कमाए थे। उन्हें यह रकम 45 दिनों के भीतर इन्वेस्टर्स प्रोटेक्शन एंड एजुकेशन फंड में जमा करनी होगी। सेबी की जांच के अनुसार मनीष मिश्रा ने दो यूट्यूब चैनल्स` मिडकैप कॉल्स और प्रो फिट यात्रा बनाए। उन्होंने इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल अटलांटा शेयरों के बारे में झूठी जानकारी पोस्ट करने के लिए किया। उन्होंने यह काम विवेक चौहान और अंकुर शर्मा के साथ मिलकर किया। उनका मकसद लोगों को इस शेयर को खरीदने के लिए प्रेरित करना और इसकी कीमत बढ़ाना था। हालांकि विवेक चौहान ने अटलांटा शेयरों में ट्रेड नहीं किया, लेकिन उन्होंने गुमराह करने वाले वीडियो को प्रमोट करने में मदद की। सेबी ने कहा कि इन तीनों ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से निवेशकों को धोखा देने का काम किया।

अब नहीं होगी यूपीआई में गड़बड़ी और धोखाधड़ी, एनपीसीआई ने किया बदलाव

पेमेंट की पुष्टि करने से पहले बैंक में सत्यापित नाम आएगा नजर

नई दिल्ली।

अब यूपीआई पेमेंट में होने वाली गड़बड़ी को रोका जा सकेगा। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने नया नियम बनाया है, जिसमें अब यूपीआई ऐप्स को पेमेंट की पुष्टि करने से पहले बैंक द्वारा सत्यापित नाम दिखाना होगा। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने, धोखाधड़ी कम करने और ग्राहकों को सुरक्षित डिजिटल लेन-देन कराने के लिए उठाया गया है। 30 जून से सभी यूपीआई में बैंक में रजिस्टर्ड नाम भी दिखेगा। अब आपके साथ कोई धोखाधड़ी नहीं कर पाएगा क्योंकि अब भुगतान करने से पहले जिसे आप रकम भेज रहे हैं आपको उसका असली नाम नजर आएगा। अभी तक केवल उपनाम या छोटा नाम ही दिखाई देता था, जिसके चलते अक्सर भ्रम की स्थिति पैदा हो जाती थी। नए नियम के मुताबिक अब वही नाम दिखेगा, जो बैंक द्वारा सत्यापित होगा यानी असली नाम। अब तक यूपीआई ऐप्स में क्यूआर कोड से लिया गया नाम, ग्राहक द्वारा लिखा गया उपनाम, फोन में सुरक्षित किए गए नाम या उपनाम दिखाए देते थे। इससे गलतियों और धोखाधड़ी की गुंजाइश रहती थी क्योंकि धोखेबाज अक्सर नामों की नकल करके ग्राहकों को झांसे में डाल देते थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के 24 अप्रैल के निर्देश के मुताबिक अब व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति से व्यापारी दोनों तरह के लेन-देन में केवल बैंक द्वारा सत्यापित नाम ही भुगतान की पुष्टि स्क्रीन पर नजर आएगी। व्यक्ति से व्यक्ति लेनदेन उसे कहते हैं जो दो लोगों के बीच होता है।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में तेज गति से वृद्धिः सर्वेक्षण

पीएमआई अप्रैल में बढ़कर 58.2 हो गया जो मार्च में 58.1 था

नई दिल्ली।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में एक सकारात्मक रुख नजर आ रहा है, जैसा कि एक नवीन मासिक सर्वेक्षण ने दर्शाया है। अप्रैल माह में जारी सर्वेक्षण के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन गतिविधियों में वृद्धि है और जून 2024 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ रही है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में बढ़कर 58.2 हो गया जो मार्च में 58.1 था। यह 10 महीने में इस क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है।प्रमुख कारक नए व्यवसायों में सक्रियता का विकास है जो उत्पादन वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिल रहा है। व्यापारिक एहसास के माध्यम से प्रतिस्पर्धा की बढ़ती मांग, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती प्रदान कर रही है। उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ, रोजगार और क्रय गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव दिख रहा है। कीमतों के मोर्चे पर भी भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण शक्ति को बढ़ाया है। इससे बिक्री शुल्क में अक्टूबर 2013 के बाद सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। सर्वेक्षण के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में विदेश से नया कारोबार भी उत्तेजित हो रहा है। इस सकारात्मक माहौल में अप्रैल महीने के आंकड़ों ने आगामी वर्ष की उत्पादन की संभावनाओं के लिए मजबूत आशावाद प्रस्तुत किया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में ही तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260 अंकों की तेजी के साथ ही 80,502 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13 अंकों की तेजी के साथ ही 24,347 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी बैंक,वित्तीय और आईटी इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए जबकि वाहन, एफएमसीजी, मेटल, फार्मा और संपत्ति क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में अडानी पोर्ट , इंडसइंड बैंक, एसबीआई, टाटा मोटर्स आदि रहे वहीं सबसे अधिक नुकसान वाले शेयरों में एनटीपीसी, कोटक बैंक और टाइटन व पावर ग्रिड रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई। सेंसेक्स 727.82 अंक की बढ़त के साथ 80,970 और निफ्टी 199 अंक की तेजी के साथ 24,528 पर कारोबार कर रहा था। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के मजबूत नतीजों के कारण अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। करीब 5 प्रतिशत की बढ़त के साथ यह सेंसेक्स का टॉप गेनर था। इसके अतिरिक्त सुबह के कारोबार में मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल (जोमैटो), टीसीएस, टाटा स्टील और आईटीसी टॉप गेनर्स थे।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 295 अंक की तेजी के साथ 54,420 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 96 अंक की बढ़त के साथ 16,545 पर कारोबार कर रहा था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, मेटल और प्राइवेट बैंक के साथ करीब सभी इंडेक्सों में हरे निशान में कारोबार हो रहा था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, हांगकांग, सोल, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे जबकि अमेरिकी बाजार भी गत दिवस तेजी के साथ बंद हुआ था।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता पर हुई चर्चा

नई दिल्ली।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में सार्थक प्रगति के लिए आयात शुल्क के मुद्दों को सुलझाने के साथ ही व्यवसायों के समक्ष पेश होने वाली गैर-शुल्क बाधाओं का समाधान तलाशने पर समान रूप से गौर करने पर जोर दिया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान वार्ता की प्रगति पर चर्चा की गई। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा` कि भारत ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापार वार्ता में सार्थक प्रगति के लिए शुल्क (आयात शुल्क) चर्चाओं के साथ-साथ गैर-शुल्क बाधाओं (एनटीबी) पर भी समान ध्यान देने की जरूरत है। इसके अलावा नियामक ढांचे को समावेशी, आनुपातिक होना चाहिए तथा व्यापार को प्रतिबंधित करने से बचना चाहिए। देश ने पहले भी कई अवसरों पर यूरोपीय संघ के बाजारों में घरेलू उद्योग के समक्ष उत्पन्न गैर-शुल्क बाधाओं का मुद्दा उठाया है और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है। उन्होंने मासिक वार्ता और निरंतर ऑनलाइन जुड़ाव के जरिये वार्ता की गति को बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया। अगले दौर की वार्ता 12-16 मई को यहां निर्धारित है। इसमें कहा गया है कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) डिजिटल बदलाव का समर्थन कर और विविध एवं लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देकर वैश्विक वाणिज्य की उभरती वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने की आकांक्षा रखता है।

दोनों पक्षों ने आशा व्यक्त की कि समझौता संपन्न होने पर, बाजार तक पहुंच बढ़ाने, नियामक सहयोग को समर्थन देने तथा दोनों पक्षों में नवाचार व प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

कोल इंडिया का अप्रैल में कोयला उत्पादन घटकर हुआ 6.34 करोड़ टन

साल 2024 के अप्रैल माह के 6.42 करोड़ टन के उत्पादन से कुछ कम है

नई दिल्ली। सीआईएल कोल इंडिया लिमिटेड के अप्रैल महीने के कोयले का उत्पादन आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 6.34 करोड़ टन रह गया है। यह साल 2024 के अप्रैल माह के 6.42 करोड़ टन के उत्पादन से कुछ कम है। कोयले का उठाव कोयला खदान से आपूर्ति कि जाने वाली कोयले की मात्रा को सूचित करने के लिए किया जाता है। कोयले का उत्पादन उस समय के उत्पादन से ज्यादा नहीं होता है क्योंकि इसमें पहले से भंडारित कोयला भी शामिल हो सकता है। कोल इंडिया के उपक्रमों ने शेयर बाजार को सूचित किया कि अप्रैल में कोल इंडिया का कोयले का उत्पादन तेल-गोबर कर लगभग स्थिर रहा है, जो 6.21 करोड़ टन था। यह अप्रैल के पिछले वर्ष की तुलना में 6.18 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया की घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कोल इंडिया ने 78.11 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया, जो कंपनी के लक्ष्य से करीब सात प्रतिशत कम है। कोल इंडिया का 2024-25 का कोयले का उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन था। सीआईएल ने वित्त वर्ष 2025-26 में 87.5 करोड़ टन का उत्पादन और 90 करोड़ टन का उठाव का लक्ष्य रखा है।

चांदी निवेशकों के लिए अवसर, ग्रो ने शुरू किए नए सिल्वर ईटीएफ

नए निवेश स्कीमों में निवेश करने की शुरुआत 2 मई से

नई दिल्ली।

ग्रोम्युचुअल फंड ने दो नए सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (सिल्वरईटीएफ) लॉन्च किए हैं, जिनका नाम है ग्रो` सिल्वर ईटीएफ और ग्रो` सिल्वर ईटीएफ एफओएफ। इन नए निवेश स्कीमों में निवेश करने की शुरुआत 2 मई से है और इनमें पैसा लगाने की अंतिम तारीख 16 मई है। ग्रो` सिल्वर ईटीएफ एक ओपन-एंडेड ट्रेडेड फंड है जो फिजिकल चांदी की कीमतों को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। यहाँ निवेशक मिनिमम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं और कोई लॉक इन या एग्जिट लोड नहीं है। ग्रो` सिल्वर ईटीएफ एफओएफ एक फंड ऑफ फंड स्कीम है जो ग्रो` सिल्वर ईटीएफ की यूनिट्स में निवेश करेगा। इसमें भी निवेशक मिनिमम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं, लेकिन इसमें एग्जिट लोड के नियम होते हैं। अगर आप भी चांदी की चमक से निवेश करना चाहते हैं, तो ग्रो के नए सिल्वर ईटीएफ स्कीमों में निवेश की विवरणों को समझें और अपने निवेश का फैसला करें।

जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले आईफोन भारत में बनेंगेः एप्पल सीईओ

नई दिल्ली।

अमेरिका में शुल्क दरों पर अस्थिरता के बीच ऐपल ने अपनी बिक्री सप्लाई चेन को बदलने का निर्णय लिया है। टिम कुक, एप्पल के सीईओ, ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन अब भारत से आयात किए जाएंगे। कुक ने कहा` कि साइबर क्रिमिनल्स के खिलाफ भारत के उत्पादों के आयात को बढ़ावा देना हमारी टीम की मुख्य प्राथमिकता है। इस निर्णय के बाद, ऐपल ने यह भी घोषित किया कि अमेरिका में बिकने वाले लगभग सभी आईपैड, मैक, एप्पल वॉच और एयरपॉड अब वियतनाम से आयात किए जाएंगे। इसके विपरीत, चीन और अन्य बाजारों के लिए अधिक आईफोन बनाए जाएंगे। कुक ने कहा` कि हम जून तिमाही के बारे में अपनी उम्मीदें जताते हैं कि भारत से आयात किए जाने वाले अधिकतर आईफोन अब मौजूद होंगे। यह निर्णय अमेरिका के बाहर कुल उत्पाद बिक्री में सबसे अधिक हिस्सेदारी चीन की होगी। एप्पल का ऐतिहासिक रोजगार 29 मार्च 2025 को समाप्त हो गया और दूसरी तिमाही में 95.35 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। इसमें पिछले वर्ष में 90.75 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

विशेष रूप से, मैक और आईपैड की बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, आईफोन की बिक्री में मार्च 2024 तिमाही में करीब दो प्रतिशत की कमी देखने के बाद दूसरी तिमाही में 46.84 अरब अमेरिकी डॉलर नोट की गई।

अमेरिका ने सभी देशों से कहा- ईरान के साथ व्यापार न करें वरना...!

यह धमकी भारत के ऊपर भी अपना असर डालेगी

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊपर अपनी धमकी को और बढ़ा दिया है। उन्होंने सभी देशों को ईरान के साथ व्यापार करने से रोकने की धमकी दी है। इसके अनुसार अगर कोई देश ईरान से कोई भी पेट्रोकेमिकल उत्पाद खरीदता है, तो उस पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया जाएगा। सोशल मीडिया पर ट्रंप ने ईरान को ऐसे खरीदारों के खिलाफ भी चेतावनी दी है जिन्होंने ईरान से माल खरीदा हो। यह धमकी भारत के ऊपर भी अपना असर डालेगी जैसे भारत ने ईरान से इस साल तेल खरीदा है। इस समय अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर तलवारें खिसकी हुई हैं। अमेरिका कह रहा है कि वह ईरान को परमाणु कार्यक्रम नहीं देगा, जबकि ईरान कह रहा है कि अमेरिका की शर्तें अव्यवहारिक हैं। इस मामले में ओमान की मध्यस्थता से नई बातचीत की उम्मीद है। अमेरिका ने इस समझौते पर काम शुरू किया है, जबकि ईरान के विदेश मंत्री ने सुनी है कि यदि अमेरिका अवास्तविक मांगों से बचता है तो समझौता हो सकता है। गर अमेरिका अपनी धमकी पर चलता है तो यह अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ा सकता है। चीन ईरान से अधिक तेल आयात करता है तो उसके बीच और तनाव उत्पन्न हो सकता है। बीच में अमेरिका की सरकार और ईरान के बीच बातचीत की जारी होनी चाहिए ताकि उचित समाधान हो सके।

इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में इंडसइंड बैंक को सेबी से मिली बड़ी राहत

इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कथपलिया और डिप्टी सीईओ अरुण खुराना के खिलाफ चल रही इंसाइडर ट्रेडिंग की जांच को बंद कर दिया है। इनके सेशन के बाद कहा गया कि उनकी शेयर्स बेचने में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। इस इस्तीफे के परिणाम स्वरूप, इंडसंड बैंक के शेयरों में मजबूती देखने को मिल रही है। संदीप पारिख, फिनसेक लॉ एडवाइजर्स के मैनेजिंग पार्टनर ने इस मुद्दे पर कहा कि इंसाइडर ट्रेडिंग को साबित करने के लिए विशिष्ट सबूतों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि यह आम अभियान है कि कंपनी के अधिकारियों को शेयरों को बेचने की अनुमति मिलती है, लेकिन जब यह साबित नहीं होता कि इन्फॉर्मेशन सार्वजनिक होने से पहले बड़ी मात्रा में शेयरों की बिक्री की गई थी, तब इंसाइडर ट्रेडिंग सिद्ध होती है। सेबी ने कहा कि शेयर बिक्री कर्मचारी स्टॉक ओनरशिप प्लान के तहत वेस्ट होने के बाद की गई थी और सभी लेन-देन की सूची बाजार को समय पर बता दी गई थी, इसलिए इंसाइडर ट्रेडिंग का कोई सबूत नहीं मिला।

लेखा घोटाले के संदर्भ में, बैंक ने वित्तीय नुकसान करने वाले गलत लेखांकन के लक्षण दिखाए और इसका पता अक्टूबर 2024 में चलते चलते चला गया। सेबी ने इस याचिका को बंद कर दिया है, लेकिन बैंक के लिए उद्योग और प्रबंधन की चुनौती है। निवेशकों के लिए, यह जरूरी है कि वे खुद के निवेशों पर ध्यान दें और बैंक की स्थिति को ध्यान से देखें।

शेयर पर सबकी नजरः टैंक-तोप बनाने का काम, अदाणी ग्रुप के स्टॉक्स रहेंगे हरकत में

मुंबई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हालात टेंशन बढ़ती जा रही है। इस तरह के जियो-पॉलिटिकल टेंशन के दौरान स्टॉक मार्केट अक्सर दबाव के साथ काम करता है लेकिन भारतीय शेयर बाजार पर इसका ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है।

आज भी स्टॉक मार्केट की पॉजिटिव शुरुआत हो सकती है। उधर, सैन्य कार्रवाई की आशंका के चलते डिफेंस सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। इनमें पारस डिफेंस, बीईएल और हिंद मझगांव डॉक जैसे शेयर शामिल है।

पारस डिफेंस शेयर ने अपने तिमाही नतीजे पेश किए हैं, इसलिए शेयर में आज तगड़ा एक्शन देखने को मिल सकता है।

इसके अलावा, आज अदाणी एंटरप्राइजेस, अदाणी पोर्ट्स, इंडस टॉवर, जिंदल स्टील एंड पॉवर और होम फर्स्ट फाइनेंस के शेयरों में भी हलचल देखने को मिल सकती है, क्योंकि इन कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजे जारी कर दिए हैं। भारत-पाक तनाव के बीच डिफेंस सेक्टर की कंपनियों के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से एक्शन देखने को मिल रहा है। इस बीच रक्षा क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी ने अपने तिमाही नतीजे पेश किए। खास बात है कि भारत-पाकिस्तान में सैन्य तनाव के बीच पारस डिफेंस का शेयर पिछले 5 ट्रेडिंग सेशन में 22 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया है, जबकि एक महीने में इस स्टॉक ने 34 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूर्यकुमार ने नया रिकॉर्ड बनाया, उथप्पा को पीछे छोड़ा

मुंबई। मुम्बई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या अब लगातार 11 पारियों में 25 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में नंबर एक पर पहूंच गये हैं। इसी के साथ ही सूर्या ने पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का रिकार्ड तोड़ा है। उथप्पा ने 2014 आईपीएल में 10 बार यह रिकार्ड कायम किया था। सूर्यकुमार के बाद इस सूची में स्टीवन स्मिथ (2016-17) और विराट कोहली (2024-25) 9-9 बार के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि साई सुदर्शन (2023-24) भी 9 बार के साथ इस सूची में शामिल हैं। सूर्यकुमार की इस उपलब्धि ने उनकी निरंतरता का पता चलता है। वह आईपीएल के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। सूर्यकुमार ने इस सत्र में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनकी बल्लेबाजी में स्थिरता और आक्रामकता दोनों ही नजर आयी है। उनकी पारी को संभालने और तेजी से रन बनाने की क्षमता से मुंबई इंडियंस को भी लाभ हुआ है और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर पहुंच गयी है। सूर्या ने इस सत्र में सबसे अधिक 475 रन बनाये हैं और वह ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर हैं।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेगी। आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। सीएसके ने इस सत्र में अबतक शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सात मैच जीते हैं जिससे उसके 14 अंक और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फार्म में हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के भी लय में होने से टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब उसका लक्ष्य इस मैच में उन खिलाड़ियों की तलाश करने पर रहेगा जो अगले सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सके। ऐसे में टीम के युवा खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर देने की उम्मीद है। वहीं प्रशंसक इस मैच में सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और विराट कोहली को खेलते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आरसीबी अगर इस मैच में जीती तो उसके कुल 16 अंक हो जाएंगे और वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। आरसीबी को इसके बाद तीन और मुकाबले खेलने हैं और जिस तरह से उसने अब तक खेला है उसका लक्ष्य इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। टीम का प्रयास प्लेऑफ के लिए शीर्ष दो में पहुंचना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके का लक्ष्य इस मैच में जीतकर आरसीबी की संभावनओं को कम करना रहेगा। इस मैच में विराट के पास बड़ी पारी खेलकर ऑरेंज कैप की दौड़ में पहले स्थान पर पहुंचना रहेगा। अभी वह तीसरे नंबर पर हैं।

इस मैच में आरसीबी की बल्लेबाज विराट के अलावा देवदत्त पडिक्कल और फिल साल्ट व कप्तान रजत पाटीदार पर आधारित रहेगी। सीएसके के गेंदबाजों का इस सत्र में प्रदर्शन सामान्य रहा है। ऐसे में आरसीबी को शायद ही कोई परेशानी हो। सीएसके की गेंदबाजी तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद पर निर्भर है।

आरसीबी के पास जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, जैसे गेंदबाज हैं जिनके

आगे रन बनान सीएसके के बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहेगा। सीएसके की बल्लेबाजी सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे के अलावा युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे,पर टिकी है। कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी निचले फिनिशर के तौर पर ही उतरेंगे हालांकि इस सत्र में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है।

वैभव को आने वाले समय में भारतीय टी20 टीम में जगह मिलेगी: मनीष ओझा

मुम्बई।

राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के बचपन के कोच मनीष ओझा को उम्मीद है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम में जगह बनाएगा। । वैभव ने आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की है। आईपीएल ही नहीं, बल्कि दुनिया भर की टी20 क्रिकेट लीग में इस उम्र में किसी भी बल्लेबाज ने शतक नहीं लगाया है। बचपन के कोच को उम्मीद है कि वह अगले एक या दो साल में भारत की टी20 टीम में जगह बना लेगा। वैभव ने आईपीएल में 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेलकर सभी हो हैरान किया है । अपनी इस पारी में वैभव ने जिस प्रकार सात चौके और 11 छक्के लगाये उससे उसके मनोबल का अंदाज होता है। वह निडर होकर बल्लेबाजी करता है चाहे कोई भी गेंदबाज हो। ओझा के अनुसार अगर वह इसी तरह खेलता रहा तो एक या दो साल में भारत की टी20 टीम में जगह बना लेगा। उसने भारतीय अंडर-19 टीम के लिए भी खेला है। जनवरी 2024 में इस क्रिकेटर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। ओझा ने कहा कि वैभव एक प्रतिभाली क्रिकेटर हैं और उनकी सोच बिल्कुल साफ है। उन्होंने कहा कि, हमने उसे कोचिंग जरुर दी है पर उसके पास प्राकृतिक प्रतिभा है। उसके पास सीखने की ललक है। उसे जो भी बताया जाता है, वह तुरंत सीख जाता है। वह शुरू से ही बहुत आक्रामक खिलाड़ी रहा है। उसे शॉट खेलना पसंद है। साथ ही कहा कि वैभव ने जिस प्रकार बिहार के एक छोटे गांव से निकलकर यहां तक का सफल तय किया है उससे उभरते हुए खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी।

रॉयल्स के खिलाफ सभी ने अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाई: पंड्या

नई दिल्ली।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली बड़ी जीत के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या उत्साहित हैं पर उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए किसी एक को श्रेय नहीं दिया जा सकता। कप्तान ने कहा है कि इस मैच में उनकी टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनो ने ही अपनी-अपनी जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभाई है। पंड्या की कप्तानी में खेल रही मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 217 रन बनाए और इसके बाद 100 रनों से मैच जीत लिया। हार्दिक का हालांकि मानना था कि उनकी टीम को 15 से 20 रन और बनाने थे। इस जीत के साथ ही मुंबई की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। जीत के बाद पंड्या ने कहा, 'हमने जिस तरह से बल्लेबाजी की और गेंदबाजी की उससे कहा जा सकता है कि सभी ने मिलकर प्रयास किये।' उनकी टीम के दोनो ही सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रियान रिकल्टन ने अर्धशतक लगाये जबकि सूर्यकुमार यादव ने भी 48 रनों की पारी खेली। वहीं पंड्या ने भी इतने ही रन बनाये। पंड्या ने कहा, 'बल्लेबाजी के दौरान हम एक-दूसरे से बात कर रहे थे कि शॉट्स खेलते रहें। शॉट्स ही अहम होते हैं। रोहित और रिकल्टन ने भी उसी तरह बल्लेबाजी की जैसी हम चाहते थे।' हार्दिक ने गेंदबाजी को लेकर कहा, ' सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने सरल क्रिकेट खेला जिसका लाभ हमें मिला है। हमारा लक्ष्य हर मैच के अनुसार रणनीति बनाना है।'

आईएसएसएफ निशानेबाज विश्व कप आठ जून से, भाकर और स्वप्निल से रहेंगी उम्मीदें

नई दिल्ली।

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले अगले माह आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार रहेंगे। भाकर और कुसाले को 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने भाकर को दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में शामिल किया है। वहीं पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह को भी जगह मिली है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार किसी स्पर्धा में खेलते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप में बेहत प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम ने इसमें कुल छह

स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस इस टीम के कुल 13 सदस्यों को म्यूनिख जाने वाली इस विश्वकप टीम में भी शामिल किया गया है। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चयनित टीम में तीन नए खिलाड़ी भी रहेंगे। राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू को घरेलू सर्किट में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है।

वहीं पुरुष वर्ग में एयर पिस्टल में दो नये निशानेबाजों को शामिल किया गया है। हाल ही में कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक टूर्नामेंट में मिश्रित टीम का खिताब जीतने वाली जोड़ी का हिस्सा रहे हरियाणा के आदित्य मालरा और सेना के निशानेबाज निशांत रावत भी इसमें शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

योगी आदित्यनाथ से मिले कपिल देव

लखनऊ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की है। कपिल देव वर्तमान में पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के प्रमुख हैं। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, विख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल से लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात हुई। कपिल ने साल 1978 से 1994 तक भारतीय टीम से खेला है। वह विश्व के बेहतरीन ऑलराउंडरों में शामिल रहे हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह कोच, कमेंटेटर और हरियाणा के स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर जैसे पदों पर रहे हैं। वहीं अक्टूबर 1999 से अगस्त 2000 तक वे भारतीय टीम के कोच भी रहे हैं। इसके बाद जून 2024 में वह पीजीटीआई अध्यक्ष बने। इससे पहले वह 2021 से 2023 तक पीजीटीआई के उपाध्यक्ष और संचालन समिति के सदस्य थे। उनके कार्यकाल में 'कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन इनविटेशनल' नामक गोल्फ टूर्नामेंट की शुरुआत हुई, जो डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित किया गया।पिछले कुछ साल में कपिल कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में शामिल रहे हैं।

बल्लेबाजी असफल होने से हारे: रियान

अहमदाबाद।

राजस्थान रॉयल्स की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हार के साथ ही आइपीएल प्लेऑफ की रैस से बाहर हो गयी। इसी को लेकर राजस्थान के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग ने निराशा जतायी है। रियान ने कहा कि हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव के शानदार प्रदर्शन के कारण ही ये मैच हमारे हाथ से निकल गया। रियान ने कहा कि इस विकेट पर 190 से 200 के लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि जीत का श्रेय उन्हें देना ही होगा क्योंकि उन्होंने 10 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन बनाये। वहीं हमारी बल्लेबाजी असफल रही। इस विकेट पर 190 से 200 का लक्ष्य आदर्श होता है पर हार्दिक और सूर्यकुमार ने अंत में मैच का नक्शा बदल दिया। हम कुछ चीजें बेहतर कर सकते थे पर ऐसा नहीं हो सका।' मुंबई के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स की टीम 16.1 ओवर में ही 117 रन पर सिमट गयी। रॉयल्स की ओर से केवल जोफ्रा आर्चर ही 30 रनों तक पहुंच पाये। रियान

स्वयं 16 रन ही बना पाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने पावर प्ले के अंदर ही 47 रनों पर पांच विकेट खो दिए। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले वैभव सूर्यवंशी खाता खोले बिना ही दीपक चाहर की गेंद पर आउट हो गये। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी 13 रन ही बना पाये। कप्तान ने कहा, ' हमें अच्छी शुरुआत मिल रही है, ऐसे में मध्यक्रम की जिम्मेदारी मेरी और ध्रुव जुरेल की है। हम पावरप्ले में विकेट खोने के बाद कैसे आगे बढ़ें इस बार का हमें ध्यान रखना होगा। आज ऐसी स्थिति के लिए हमें तैयार रहना होगा। हमें अपनी कमजोरियों को दूर करना होगा। साथ ही कहा कि हम उन बातों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं जो हमने सही की हैं। बहुत सी गलतियां, बहुत सी छोटी-छोटी गलतियां, उन्हें कैसे न करें इस पर ध्यान देना होगा।'

धवन और सोफी ने सोशल मीडिया पर की अपने रिश्ते की पुष्टि

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने आखिरकार माना है कि वह आयरिश युवती सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में हैं। पिछले कुछ समय से यह धवन और सोफी को कई जगह पर एक साथ देखा गया था। उसके बाद से ही इनके बीच अफेयर की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। पिछले कुछ समय में दौरान सोशल मीडिया पर भी इनकी कई तस्वीरें आई हैं पर तब इन दोनो ने अपनी ओर से कोई बयान नहीं दिया था। वहीं 1 मई को धवन ने सोफी के साथ सोशल मीडिया में एक तस्वीर साझा कर अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। साल 2023 में पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक के बाद धवन को लेकर अटकलें लगायीं जा रहीं थीं। एक रिपोर्ट के अनुसार, धवन और सोफी की पहली मुलाकात दुबई में एक क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। इसके बाद उनका रिश्ता और मजबूत होता गया है, दोनों को कई बार सार्वजनिक कार्यक्रम में एक साथ देखा जाता है। जिसके बाद से ही इनके बीच संबंध होने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगीं थीं। धवन और सोफी के इस रिश्ते की पुष्टि तब हुई जब इस दंपत्ति ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया। सोफी ने धवन के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, माई लव, इस पोस्ट के साथ उन्होंने लाल दिल भी लगाया। उनकी यह तस्वीर कुछ ही देर में वायरल हो गई। गौरतलब है कि आयरलैंड की सोफी एक आयरिश पेशेवर है। वह वर्तमान में अबू धाबी में नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन के लिए उत्पाद सलाहकार के रूप में काम कर रही हैं।

लॉर्ड्स में खेला जाएगा महिला टी-20 विश्व कप फाइनल:आईसीसी

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले साल होने वाले महिला टी-20 विश्व कप का फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। विश्वकप 12 जून को शुरू होगा और इसमें 33 मैच खेले जाएंगे। लॉर्ड्स के अलावा विश्व कप के मुकाबले ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले, एडबस्टन, ओवल, हैंपशर बाउल और ब्रिस्टल काउंटी मैदान पर होंगे। टूर्नामेंट में टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा। इसके बाद नॉकआउट मुकाबले होंगे। इस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सहित आठ टीमों ने पहले ही क्वालीफाई कर लिया है। वहीं बची हुई चार टीम का चयन आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर 2025 से होगा।आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, ब्रिटेन में सभी टीमों को काफी समर्थन मिलता है। 2017 में लॉर्ड्स पर महिला विश्व कप फाइनल में भी स्टेडियम परी तरह से भरा था। ऐसे में फाइनल के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। हम अभी से टूर्नामेंट की तैयारी पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमें भरोसा है कि रोमांचक टी-20 क्रिकेट यहां प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन होने के साथ ही इससे लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में होने वाले क्रिकेट मुकाबलों के लिए भी माहौल बनेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम को 2-0 से हराया

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। कर्टनी शोनेल और ग्रेस स्टीवर्ट के एक-एक गोल से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारतीय टीम को 2-0 से हराया। शोनेल ने पहले क्वार्टर के नौवें मिनट में ही गोल कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद ग्रेस ने 52वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम की बढ़त 2-0 से कर दी। भारतीय टीम को इससे पहले भी दो अभ्यास मैचों में ऑस्ट्रेलिया 'ए के खिलाफ 3-5 और 2-3 से हार झेलनी पड़ी थी। इस मैच में मेजबान टीम शुरुआत से ही हावी रही पर इसका लाभ उसे नौवें मिनट में मिला जब शोनेल ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। वहीं दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने अच्छा प्रयास करते हुए दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। दूसरे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम 0-1 से पीछे रही। वहीं तीसरे क्वार्टर में दोनो ही टीमों ने प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। इसके बाद चौथे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलियाई टीम एक गोल करने में सफल रही जिससे उसे जीत मिली।

इन चार टीमों पर है आईपीएल प्लेऑफ से बाहर होने का खतरा

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाद दिल्ली कैपिटल्स सहित इन टीमों पर भी लीग से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। दिल्ली कैपिटल्स- सत्र की अच्छी शुरुआत के बाद अब दिल्ली कमजोर होती दिख रही है। पिछले दो मुकाबलों में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। टीम ने अब तक 10 में से 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं। ऐसे में उसे प्लेऑफ के लिए बचे 4 में से 2 मैच जीतने होंगे। अगर टीम 3 मैच हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है। दिल्ली को अपना नेट रन रेट भी सुधारना होगा। लखनऊ सुपर जाएंट्स- 10 मैचों में 6 जीत के साथ उसके भी 12 अंक हैं पर उसे प्लेऑफ का टिकट हासिल करने के लिए बचे चार में से कम से कम तीन मैच जीतने होंगे। इसे साथ ही रन रेट भी बेहतर करना होगा क्योंकि उसका रन अच्छा नहीं है।

कोलकाता नाइट राइडर्स- गत विजेता केकेआर के लिए प्लेऑफ की राह मुश्किल नजर आ रही है। टीम ने अभी तक खेले 10 में से 4 ही मैच जीते हैं, वहीं पंजाब किंग्स के खिलाफ उनका मुकाबला बारिश से रद्द हो गया था। केकेआर के अभी 9 अंक हैं और अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए सभी मैच जीतनें होंगे तभी वह 16 अंक के ऊपर पहुंच पायेगी। यहां से सभी मुकाबले जीतने होंगे तभी वह 17 पॉइंट्स तक पहुंच सकती है। अब अगर वह एक भी मैच हारी तो बाहर होगी। राजस्थान रॉयल्स- चेन्नई सुपर किंग्स के बाद राजस्थान

रॉयल्स पर भी बाहर होने का खतरा है।

उसके भी तक 10 मैचों में 6 ही अंक है, अगर यहां से टीम एक भी मैच हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो सकती है। वहीं सभी मैच जीतकर आरआर 14 अंकों तक ही पहुंच पाएगी, ऐसे में उसे दूसरी टीमों के परिणामें पर भी निर्भर रहना होगा।

बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे

मैच रैफरी के तौर पर गेंद से छेड़छाड़ और सुरक्षा मुद्दे सबसे अहम थे

सिडनी। हाल ही में संन्यास लेने वाले आईसीसी मैच रैफरी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड बून ने कहा है कि अपने कार्यकाल के दौरान उनके लिए गेंद से छेड़छाड़ और सुरक्षा मुद्दे सबसे अहम थे। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार मैच रैफरी के रुप में अपने 14 साल के कार्यकाल के दौरान उनका प्रयास खेल को साफ-सुथरा बनाये रखना रहा है। बून ने 87 टेस्ट, 183 एकदिवसीय और 119 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अलावा महिलाओं के सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है। बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) में निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। ने कहा, ''मुझे लगता है कि ऐसी चुनौतियां हैं जिनका आपको हर दिन सामना करना पड़ता है। उनसे आप हर दिन कुछ न कुछ सीखते हैं। मुझे लगता है कि कुछ ऐसी चीजें हैं जो थोड़ी चुनौतीपूर्ण हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक वीडियो में बून ने कहा, ''जब मैंने पहली बार शुरुआत की थी तो उनमें से एक चुनौती गेंद से छेड़छाड़ की थी जो मुझे बहुत कठिन लगी। वहीं आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने बून के रैफरी पद से संन्यास पर कहा, ''आईसीसी की ओर से मैं आईसीसी मैच रेफरी के रूप में बून की उत्कृष्ट सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही कहा कि उनके पेशेवर रुख और कार्य के प्रति समर्पण से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी। बून के नाम 1989 में इंग्लैंड दौरे पर एक अनोखा रिकॉर्ड था। इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर के दौरान 32 अर्धशतक लगाए थे पर वह चर्चाओं में हवाई यात्रा के दौरान विक्टोरिया बियर के 52 कैन पीने के कारण भी आये थे। इससे पहले, उनके 44 बियर का रिकार्ड डग वाल्टर्स और रॉड मार्श ने बनाया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे- गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैं:

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भ्रूण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे- टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चात्बीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है:

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थो से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे-अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

■ अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।

■ चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेज़ाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।

■ खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलबदल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।

■ पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।

■ अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ-सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल पहुंचे पीएम मोदी ने विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को सौंपा

सीएम विजयन ने कहा पीएम मोदी की उपस्थित इस मौके को खास बनाती

तिरुवनंतपुरम।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8,900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट को राष्ट्र को सौंपा। तिरुवनंतपुरम में स्थित, गहरे समुद्र का बंदरगाह भारत का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब है। यह केरल को वैश्विक नौसैनिक मानचित्र पर लेकर आता है। इस मौके पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत तैया किया गया है। एपीएसईजेड द्वारा सार्वजनिक-निजी मॉडल के तहत सरकार के साथ साझेदारी में करीब 8,867 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, इससे वैश्विक शिपिंग और व्यापार मार्गों में भारत की मौजूदगी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान केरल के सीएम विजयन ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर बात की। उन्होंने कहा, मैं पिछले माह पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर शुरुआत करना चाहता हूं। उनकी क्षति हमें राष्ट्र विरोधी और विभाजनकारी ताकतों से अपने देश की रक्षा करने के लिए एकजुट रहने की याद दिलाती है। इस दौरान सीएम विजयन ने कहा, केरल सरकार और मेरी ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत करता हूं, जो बंदरगाह का उद्घाटन के लिए अपना कीमती समय निकल कर यहां आए हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। इस बंदरगाह का चालू होना आधुनिक युग की शुरुआत का प्रतीक है। पीएम मोदी की मौजदूगी इस मौके को और भी खास बनाती है और हम सभी के लिए बहुत खुशी लाती है। सीएम विजयन ने कहा, केरल के लोगों की ओर से, मैं फिर प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस ऐतिहासिक परियोजना को राष्ट्र को समर्पित करने के लिए हमारे राज्य का दौरा

किया। मैं इस मिशन को उत्कृष्टता के साथ क्रियान्वित करने के लिए अडानी समूह को भी बधाई देता हूं।

जब धर्म परिवर्तन कर लिया तो वह दलित कैसे? कोर्ट ने किया एससी-एसटी एक्ट का केस खारिज

अमरावती।

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों के धर्म परिवर्तन को लेकर कहा कि अगर कोई अनुसूचित जाति का व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर लेता है, तो उसका एससी का दर्जा खत्म हो जाता है। ऐसे में वह अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। हाईकोर्ट के एकल पीठ के जस्टिस हरिनाथ ने गुंटूर जिले के रहने वाले अक्कला रामी नाम के शख्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बयान दिया। अक्कला पर आरोप था कि उसने हिंदू से ईसाई बने एक चिंतादा नामक शख्स को जातिसूचक गालियां दी। अक्कला के वकील ने कोर्ट में दावा किया कि चिंतादा ने दावा किया है कि वह एक स्थानीय चर्च में पादरी है। उसने एक दशक से भी ज्यादा समय पहले अपनी मर्जी से धर्म बदल लिया था। अब जब ईसाई धर्म जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं देता है, तो फिर एससी-एसटी एक्ट का कोई मतलब ही नहीं रह जाता। जस्टिस हरिनाथ ने कहा कि जब चिंतादा खुद ही कह रहा है कि वह पिछले 10 सालों से ईसाई धर्म का पालन कर रहा है, तो पुलिस को आरोपी के ऊपर एससी एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज नहीं करना चाहिए था। जस्टिस ने अक्काला के वकील के तर्क को मानते हुए कहा कि एससी-एसटी एक्ट उन समुदायों से जुड़े व्यक्तियों की रक्षा के लिए हैं न कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के लिए। इसके बाद जस्टिस हरिनाथ ने आरोपी पर लगा केस खारिज कर दिया। बता दें संविधान में भी अनुसूचित जाति 1950 के मुताबिक केवल भारत में पैदा हुए धर्मों हिंदू, सिख, बौद्धों के अनुसूचित जाति समुदायों को ही मान्यता प्राप्त है। अगर कोई इन धर्मों में है, तो उसे अनुसूचित जाति में माना जाएगा। वहीं अगर कोई मुस्लिम या ईसाई धर्म अपनाता है, तो उसका यह दर्जा खत्म हो जाता है। केंद्र सरकार ने भी 2022 में सुप्रीम कोर्ट में यह हलफनामा दायर किया था कि ऐसे लोगों को आरक्षण नहीं दिया जा सकता क्योंकि यह इस धर्म को अपनाते ही इसलिए हैं ताकि उन्हें छुआ-छूत का सामना न करना पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ईसाई या मुस्लिम व्यक्ति केवल आरक्षण का लाभ लेने के लिए वापस अपने धर्म को बदलता है तो यह संविधान के साथ धोखा होगा। ऐसे में उसे अगर एससी का दर्जा प्राप्त करना है तो उसे विश्वसनीय प्रमाण पत्र और समुदाय की स्वीकृति की जरुरत होगी।

आईआईसीटी को वैश्विक स्तर की सात प्रमुख कंपनियों का मिल रहा सहयोग

-केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में वेव्स समिट में दी यह जानकारी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार द्वारा स्थापित भारतीय क्रिएटिव टेक्नोलॉजी संस्थान (आईआईसीटी) को वैश्विक स्तर की सात प्रमुख कंपनियों गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, एप्पल, मेटा, स्टार इंडिया और एडोबी का सहयोग मिला है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुंबई में वेव्स समिट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईआईसीटी को एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान उद्योग जगत के साथ मिलकर देश के युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करेगा। भारत में लगभग चार करोड़ क्रिएटर्स हैं और वेव्स समिट में 60 देशों के एक लाख से ज्यादा क्रिएटर्स ने हिस्सा लिया। वैष्णव ने कहा कि रचनात्मकता की दुनिया गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। इस वेव्स समिट का उद्देश्य दुनिया भर के रचनाकारों को एक मंच पर लाना है। उन्होंने कहा कि इससे नई प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी मिलेगी। वेव्स सृजनकर्ताओं को निवेशकों, उत्पादकों और खरीददारों से जोड़ेगा। इससे नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। आईआईसीटी का पहला चरण मुंबई के पेडर रोड स्थित एनएफडीसी इमारत में हुआ, जबकि दूसरा चरण गोरेगांव की फिल्मसिटी में 10 एकड़ में विकसित किया जाएगा।

जाति जनगणना कराने का पीएम मोदी ने सही समय पर सही फैसला लिया

चिराग बोले- विपक्ष ने इसे केवल राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया

पटना।

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (आरवी) नेता चिराग पासवान ने जाति जनगणना की घोषणा के लिए पीएम मोदी की तारीफ की है। पासवान ने इस फैसले का श्रेय लेने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की और कहा कि विपक्ष ने इसे केवल राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जबकि पीएम मोदी ने सही समय पर सही फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इसका श्रेय लेना चाहते हैं और कह रहे हैं कि मेरे दबाव में ऐसा हुआ। पासवान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी की बात तो छोड़िए, आपके परिवार से तीन लोग देश के पीएम बने। अगर आप देश में जाति आधारित जनगणना कराना चाहते थे तो आपको पहले ही करवा लेना चाहिए था। लेकिन आपने इसे राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया और लोगों की भावनाओं को भड़काने का ही काम किया। आज हमारी सरकार ने इस मांग को पूरा किया है। विपक्ष कह रहा है कि हमने यह फैसला बिहार चुनाव को देखते हुए लिया है, लेकिन अगर यह फैसला चुनाव के नजरिए से लेना होता तो हम यह फैसला लोकसभा चुनाव से पहले ले सकते थे। पासवान ने कहा कि हमने यह फैसला लिया है और अभी और काम करना बाकी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई अहम मुद्दे हैं जिन पर हमें काम करना है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक फैसला है और इसके लिए मैं अपनी पार्टी लोक जनशक्ति (रामविलास) की तरफ से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। आज मेरे प्रधानमंत्री ने हमारी वह मांग पूरी कर दी है जो लंबे समय से लंबित थी।

ओबीसी समाज को लेकर कांग्रेस और भाजपा की नीयत व नीति हमेशा से खराबः मायावती

लखनऊ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती जातीय जनगणना को लेकर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं भाजपा की नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति सही होती तब ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बना होगा। बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा कि काफी लंबे समय तक ना-ना करने के बाद अब केंद्र द्वारा जातीय जनगणना कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़, जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित रहा है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस एवं भाजपा की नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती, तब ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता। मायावती ने लिखा कि बाबासाहेब एवं बीएसपी के लगातार संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरूक है, तब दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए लालायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने का स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात् स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बीएसपी में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। उन्होंने कहा कि वोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े

होने का समय करीब है, जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है। इसके पहले मायावती ने कहा कि देश में मूल जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना करने का केंद्र द्वारा आज लिया गया फैसला काफी देर से उठाया गया सही दिशा में कदम है। इसका स्वागत है। बीएसपी इसकी मांग काफी लंबे समय से करती रही है।

यूपी में अवैध अपंजीकृत मदरसों और धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ प्रशासन कर रहा कार्रवाई

पीलीभीत।

राज्य सरकार ने नेपाल की सीमा से सटे यूपी के जिलों श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, पीलीभीत, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में अवैध मदरसों और अतिक्रमणों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सीएम योगी के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस और राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीमें सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने अपंजीकृत मदरसों और धार्मिक संरचनाओं को निशाना बना रही है। अब तक सैकड़ों ऐसे अतिक्रमणों की पहचान की गई है, उन्हें सील किया गया है या ध्वस्त कर दिया है। श्रावस्ती में गुरुवार को पांच और मदरसे सील किए गए, जिससे कुल संख्या 41 हो गई। भरथा और रोशन गढ़ गांवों में अवैध मस्जिदों को हटाया गया। बलरामपुर में नियमों का पालन न करने वाले 20 मदरसों को बंद कर दिया है। तीन अवैध मजारों को ध्वस्त कर दिया और एक ईदगाह की जांच की जा रही है। पीलीभीत और बहराइच में भी ताजा कार्रवाई हुई। अकेले बहराइच में अब तक 135 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। सिद्धार्थनगर में अधिकारियों ने 17 अवैध धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई की, जिनमें तीन

मस्जिदें और 14 अपंजीकृत मदरसे शामिल हैं। यह अभियान विशेष रूप से उन मदरसों को लक्षित करता है जो सरकारी मान्यता के बिना चल रहे हैं या आवश्यक मानकों को पूरा करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें बंद कर दिया गया है। इसके अलावा, उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सरकारी भूमि पर बने अनधिकृत धार्मिक ढांचों को ध्वस्त किया जा रहा है। बलरामपुर जिले में आठ मदरसों को नोटिस जारी किया गया, जबकि मजारों पर स्थित तीन अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया। पांच और संरचनाओं के लिए भी नोटिस जारी किए गए।

दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक मौसम खुशनुमा रहेगा, गर्मी से मिलेगी लोगों को राहत

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत रहेगी और मौसम खुशनुमा रह सकता है। लेकिन दिल्ली में बारिश से जलभराव और तेज हवा की वजह से पेड़-खंभे आदि उखड़ने के कारण मुश्किलों का भी सामना करना पड़ सकता है। शुक्रवार के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है, तब आने वाले कुछ दिनों में आसमान में बादलों का डेरा रहेगा। कम से कम 8 मई तक तक मौसम गीला-गीला ही रहेगा है। भारतीय मौसम विभाग ने तेज बारिश और 50 की स्पीड से हवा चलने की आशंका जाहिर की है, इसकी शुरुआत सुबह से हुई। दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर भारी, कहीं-कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। तेज हवा चलने की वजह से कई जगह पेड़ और खंभे उखड़ गए हैं। द्वारका में ट्यूबवेल वाले घर पर पेड़ गिर जाने से तीन बच्चों और उनकी मां की मौत हो गई। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक, रविवार 3 मई को दिल्ली एनसीआर में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। 50 की स्पीड से तूफानी हवा चलेगी है। तापमान 25 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 3 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार 4 मई को भी दिल्ली-एनसीआर में मौसम गीला-गीला रह सकता है। गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 30-40 की स्पीड से हवा भी चलेगी। 5 मई को भी आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। हल्की बारिश हो सकती है और 30-40 की स्पीड से हवा चलेगी। उस दिन न्यूनतम तापमान 25-27 और अधिकतम 35-37 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 6 मई को भी मौसम कूल बना रहेगा। 30-40 की स्पीड से हवा चलने का क्रम जारी रहेगा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकत 36 तक रहने

की संभावना है। 7 मई को आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। बहुत हल्की बारिश हो सकती है। बादलों की गरज भी जारी रहेगी। 30-40 की स्पीड से तेज हवा चलेगी। तापमान 6 मई जैसा ही रहेगा। 8 मई को भी हल्की बारिश की संभावना है।

बाबा साहेब की मूर्ति तोड़ने पर कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकारा

सिवनी।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा है कि दो महीने पहले सिवनी जिले में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के मामले में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। मुख्य न्यायाधीश एसके कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने सिवनी कलेक्टर और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर घटना के संबंध में उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, याचिका में आरोप लगाया गया है कि 10 फरवरी को प्रतिष्ठित समाज सुधारक और संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने की घटना में अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिवादियों-सिवनी के पुलिस अधीक्षक और सिवनी के धूमा थाने के प्रभारी द्वारा एक हलफनामा दायर किया जाए, जिसमें यह बताया जाए कि कार्रवाई क्यों नहीं की। याचिकाकर्ता के

वकील ने बताया कि कोर्ट ने मामले की सुनवाई 7 मई तय की है, तब तक हलफनामे दाखिल करने होंगे। कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है, तो उस संबंध में हलफनामा धूमा थाने के प्रभारी द्वारा दाखिल किया जाएगा। सिवनी निवासी जितेंद्र अहिरवार द्वारा दायर जनहित याचिका के मुताबिक मूर्ति तोड़े जाने के बाद 10 फरवरी की रात को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

संक्षिप्त समाचार

एनटीए ने 122 सोशल मीडिया अकाउंट को बंद करने की अनुशंसा की

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एनटीए ने अफवाह फैलाने वाले 106 टेलीग्राम चैनल तथा 6 इंस्टाग्राम के चैनल को बंद करने की अनुशंसा की है। 122 सोशल मीडिया के चैनल नीट परीक्षा को लेकर लगातार अपवाह फैलाने का काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को जानकारी देते हुए, सभी 122 चैनलों को बंद करने के लिए अनुशंसा का पत्र भेजा है। यह चैनल परीक्षा के संबंध में गलत सूचना और गलत रिपोर्टिंग कर रहे हैं। इस तरह के चैनलों की लगातार शिकायतें एनटीए को मिल रही हैं।जिसके कारण परीक्षार्थियों को गलत सूचना मिल रही है। राजस्थान पुलिस ने भी एक एडवाइजरी जारी की है। जिसमें इस तरह के धोखेबाजों से सावधान रहने को कहा गया है। अभी तक पेपर लीक की लगभग 1500 शिकायतें एनटीए को प्राप्त हो चुकी हैं।

जातिगत जनगणना पर राहुल गांधी का सरकार से सवाल– बताएं समयसीमा

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले पर स्पष्ट समयसीमा बताने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने भले ही इस दिशा में घोषणा की हो, लेकिन इसके क्रियान्वयन को लेकर अब भी संशय बरकरार है। राहुल गांधी ने चेताया कि कहीं यह फैसला भी महिला आरक्षण विधेयक की तरह ठंडे बस्ते में न चला जाए। पिछले दिनों राहुल गांधी ने अपने एक बयान में कहा, कि सरकार ने जातिगत गणना को लेकर 11 साल तक विरोध किया। अब अचानक यह फैसला लिया गया है, जो स्वागत योग्य है। लेकिन सवाल यह है कि इसे लागू कब किया जाएगा? सरकार को इसकी स्पष्ट समयसीमा घोषित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लगातार अभियान और दबाव का ही नतीजा है कि सरकार को इस मुद्दे पर झुकना पड़ा। लेकिन अब यह जरूरी है कि कागजों से निकलकर यह कदम ज़मीनी हकीकत में बदले। यहां बताते चलें कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की आज शुक्रवार शाम बैठक होने जा रही है, जिसमें दो प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। इनमें पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर सख्त कार्रवाई की मांग और दूसरा मुद्दा जातिगत जनगणना के लिए समयसीमा और धनराशि आवंटन है।

सीबीएसई बोर्ड रिजल्ट को लेकर भ्रम खत्म, जानिए कब आ सकता है 10वीं-12वीं का परिणाम

नई दिल्ली।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों को लेकर छात्रों और अभिभावकों में उत्सुकता चरम पर है। सोशल मीडिया पर हाल ही में यह अफवाह तेजी से फैली कि सीबीएसई 10वीं और 12वीं का रिजल्ट 2 मई को जारी होगा, लेकिन बोर्ड ने इस खबर को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सीबीएसई ने एक आधिकारिक नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर चल रही यह सूचना फर्जी है और किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की गई है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रिजल्ट की तैयारी अंतिम चरण में है और संभावना जताई जा रही है कि मई के दूसरे सप्ताह में सीबीएसई 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर सकता है। इसके साथ ही, बोर्ड द्वारा अगले कुछ दिनों में आधिकारिक तारीख की घोषणा भी की जा सकती है। सीबीएसई अधिकारी के हवाले से बताया जा रहा है कि रिजल्ट की तारीख अभी तय नहीं की गई है। छात्रों और अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे केवल सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइटों पर ही भरोसा करें और अफवाहों से बचें। बताते चलें कि पिछले साल 2024 में 13 मई को नतीजे घोषित किए गए थे।

मध्यप्रदेश में बारातियों का वाहन पलटा, चार की मौत, 13 घायल

विदिशा।

मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में शुक्रवार को तड़के बारातियों को ले जा रहा वाहन पलटने से चार लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। मीडिया रिपोर्ट में विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बताया कि यह हादसा सुबह तड़के तीन बजे लटेरी कस्बे के पास हुआ, जब बारातियों को ले जा रही एक जीप इंदौर से सिरोंज लौट रही थी। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया है, जबकि अन्य का इलाज विदिशा और लटेरी के अस्पतालों में चल रहा है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव ने घटना पर दुख जताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जर्मनी की जासूसी एजेंसी ने 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' पार्टी को 'दक्षिणपंथी चरमपंथी' करार दिया

बर्लिन, (एजेंसी)। जर्मनी की घरेलू खुफिया एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि उसने 'अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी' पार्टी को एक ''दक्षिणपंथी चरमपंथी'' के रूप में वर्गीकृत किया है, जिससे इसकी गतिविधियों पर व्यापक निगरानी रखी जा सकेगी। यह पार्टी फरवरी में हुए आम चुनाव में दूसरे स्थान पर रही थी।संविधान संरक्षण संघीय कार्यालय ने पाया कि अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी जातीयता के आधार पर ''मुख्यतः मुस्लिम देशों से प्रवास करने वाले लोगों को जर्मन लोगों के समान नागरिक नहीं मानती है।''जर्मनी में बढ़ते चरमपंथ के प्रति चेतावनी देने वाले कार्यालय ने हाल के वर्षों में दो जर्मन क्षेत्रों के न्यायालय के निर्णयों का हवाला दिया, जिनमें स्वतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने के लिए पार्टी के प्रयासों का विवरण दिया गया है। कार्यालय के मुताबिक, इस पार्टी का उद्देश्य कुछ समूहों को समाज में समान भागीदारी से वंचित करना है।

1976 में मिली थी सजा ए मौत; अब आयी है मौत की घड़ी

जैक्सन (अमेरिका), (एजेंसी)। मिसिसिपी में 1976 से मौत की सजा काट रहे एक कैदी को 25 जून को मृत्युदंड दिया जाएगा। प्रांत के सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को यह फैसला सुनाया।रिचर्ड गेराल्ड जॉर्डन (78) को 1976 में एक महिला का अपहरण करने और उसकी हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। उसने सजा के खिलाफ कई बार अपील दायर की लेकिन हर बार उसकी अपील को खारिज कर दिया गया। हाल में अक्टूबर में उसकी अपील को खारिज किया गया था।सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में यह नहीं बताया कि जॉर्डन को मृत्युदंड किस तरह दिया जाएगा। मिसिसिपी के कानून के अनुसार घातक टीके, नाइट्रोजन गैस, बिजली के झटके या स्क्वाड से गोलीबारी कराकर मौत की सजा दी जा सकती है।मिसिसिपी सुप्रीम कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, जॉर्डन ने जनवरी 1976 में एडविना मार्टर की अपहरण कर हैरिसन काउंटी के एक जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर जॉर्डन ने महिला के पति चार्ल्स मार्टर को फोन कर झूठ बोला कि मार्टर सुरक्षित है और 25,000 अमरीकी डॉलर की फिरौती मांगी।आदेश में कहा गया, ''पूरे विचार-विमर्श के बाद अदालत ने पाया कि जॉर्डन ने अपने बचाव के लिए सभी राज्य और संघीय उपायों को इस्तेमाल कर लिया। सभी उपायों के विफल होने के बाद अब उसे मृत्युदंड दिया जाएगा।'' मिसिसिपी में आखिरी बार मौत की सजा दिसंबर 2022 में दी गई थी।

पोप के चुनाव की तैयारियां : वेटिकन के दमकल कर्मियों ने सिस्टिन चैपल की छत पर चिमनी लगाई

वेटिकन सिटी, (एजेंसी)। नए पोप के चयन के लिए आयोजित होने वाले सम्मेलन की तैयारियां शुक्रवार को सिस्टिन चैपल की छत पर चिमनी लगाए जाने के साथ ही तेज हो गईं। इस चिमनी से निकलने वाले धुएं से पोप फ्रांसिस के उत्तराधिकारी के चुनाव का संकेत दिया जाएगा।शुक्रवार को सिस्टिन चैपल की छत पर वेटिकन के दमकल कर्मियों को चिमनी लगाते हुए देखा गया। यह क्षण सात मई को आयोजित होने वाले सम्मेलन की तैयारियों के तहत विशेष स्थान रखता है।सिस्टिन चैपल में मतदान के प्रत्येक दो चरण के बाद सभी कार्डिनल के मतपत्रों को एक विशेष भट्ठी में जलाया जाता है और इससे निकलने वाला धुआं बाहरी दुनिया को परिणाम का संकेत देता है।अगर किसी उच्च पादरी को पोप नहीं चुना जाता है, तो मतपत्रों में पोटेशियम परक्लोरेट, एन्थ्रेसीन (कोयला टार का एक घटक) और सल्फर युक्त 'कार्टिज' मिलाए जाते हैं, ताकि काला धुआं निकले। लेकिन अगर किसी का चुनाव होता है, तो जलते हुए मतपत्रों में पोटेशियम क्लोरेट, लैक्टोज और क्लोरोफॉर्म मिलाए जाते हैं, ताकि सफेद धुआं उत्पन्न हो।

ट्रंप प्रशासन ने अदालत से वेनेजुएला के 3,50,000 प्रवासियों की कानूनी सुरक्षा हटाने का अनुरोध किया

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से वेनेजुएला के 3,50,000 प्रवासियों से अस्थायी कानूनी सुरक्षा वापस लेने का अनुरोध किया। ट्रंप प्रशासन के इस कदम से वेनेजुएला के प्रवासियों को निर्वासित किए जाने की संभावना है।न्याय विभाग ने न्यायालय से सैन फ्रांसिस्को में संघीय न्यायाधीश के उस फैसले को स्थगित करने का अनुरोध किया है, जिसमें वेनेजुएला के लोगों को दिए गए अस्थायी संरक्षण की स्थिति (टीपीएस) को बरकरार रखा गया था। पिछले महीने ही वेनेजुएला के प्रवासियों को अस्थायी संरक्षण की स्थिति समाप्त होने वाली थी।यह स्थिति अमेरिका में पहले से रहने वाले लोगों को कानूनी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देती है क्योंकि पड़ोसी देशों को प्राकृतिक आपदा या असैन्य संघर्ष के कारण वापसी के लिए असुरक्षित माना जाता है। एक संघीय अपीलीय अदालत ने पहले प्रशासन के अनुरोध को खारिज कर दिया था।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन आक्रामक कदम उठाते हुए विभिन्न प्रकार के संरक्षण को वापस लेने के लिए कदम उठा रहा है, जो प्रवासियों को देश में रहने की अनुमति देते हैं। ट्रंप ने जिन सुरक्षा उपायों को वापस लिया है उनमें वेनेजुएला के 6,00,000 और हैती के 5,00,000 लोगों के लिए टीपीएस को समाप्त करना शामिल है। टीपीएस के तहत अमेरिका में प्रवास के लिए समय-समय पर 18 महीने की वृद्धि दी जाती है।न्यायालय में यह आकस्मिक अपील उसी दिन की गई थी, जिस दिन टेक्सास में एक संघीय न्यायाधीश ने वेनेजुएला के लोगों को निर्वासित करने के प्रशासन के प्रयासों को अवैध करार दिया था।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ है अमेरिका, मोदी को पूरा समर्थन है: अमेरिकी विदेश मंत्रालय

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, (ऐजंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''हमारा पूरा समर्थन'' है।

मंत्रालय ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और पाकिस्तान से एक ऐसा उचित समाधान तलाशने की दिशा में काम करने का आग्रह किया है जो दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति एवं क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखे।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका स्थिति पर ''बारीकी से नजर रख रहा है।''

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग बात की।

ब्रूस ने कहा, ''जैसा कि (अमेरिका के) राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी से कहा था,

अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़ा है और प्रधानमंत्री मोदी को हमारा पूरा समर्थन है।''

ब्रूस ने बताया कि रुबियो ने ''दोनों देशों से जिम्मेदारी से एक ऐसा समाधान तलाशने की दिशा में काम करने का आग्रह किया जो दक्षिण एशिया में दीर्घकालिक शांति एवं क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखे। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, हम कई स्तरों पर दोनों देशों की सरकारों के संपर्क में हैं।''

उन्होंने कहा, '' सरकार लगातार संपर्क में है। हम दोनों पक्षों से जिम्मेदारी से कोई समाधान निकालने के लिए कह रहे हैं। मैं आपको इसके अलावा कोई और जानकारी नहीं दे सकती।''

अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से तनाव कम करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है। उसने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच में पाकिस्तान से सहयोग करने का आग्रह किया है।

जयशंकर के साथ बुधवार रात को फोन पर हुई बातचीत में रुबियो ने पहलगाम में हुए ''भयावह'' आतंकवादी हमले में लोगों के मारे जाने पर दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ सहयोग को लेकर अमेरिका की प्रतिबद्धता जताई।

ब्रूस ने एक बयान में बताया कि रुबियो ने दक्षिण एशिया में तनाव कम करने और शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारत से पाकिस्तान के साथ काम करने का आग्रह किया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके दोषियों, उनका सहयोग करने वालों और साजिश रचने वालों को न्याय के दायरे में लाया जाना चाहिए।''

रुबियो ने शरीफ के साथ बातचीत में पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा पाकिस्तानी अधिकारियों से ''इस अमानवीय हमले'' की जांच में सहयोग का आग्रह किया।

उन्होंने पाकिस्तान को तनाव कम करने, सीधे संचार को फिर से स्थापित करने और दक्षिण एशिया में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।रुबियो और शरीफ ने ''आतंकवादियों को हिंसा के जघन्य कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।''

भारत में फंसे अपने नागरिकों को वाघा सीमा के रास्ते वापस आने की अनुमति देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द करने के भारत के फैसले के कारण वहां फंसे अपने नागरिकों के लिए वाघा सीमा के इस्तेमाल की अनुमति देना जारी रखेगा ताकि वे अपने देश लौट सकें।

भारत में अमृतसर और पाकिस्तान में लाहौर के पास स्थित अटारी-वाघा सीमा 30 अप्रैल तक खुली थी। इसे बृहस्पतिवार को बंद कर दिया गया।

भारत सरकार द्वारा तय की गई समयसीमा समाप्त हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को करीब 70 पाकिस्तानी नागरिक अटारी सीमा पर कथित रूप से फंसे रह गए।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए इस बात को स्वीकार किया कि बच्चों सहित पाकिस्तानी नागरिकों के भारत में अटारी सीमा पर फंसे होने की रिपोर्ट हैं।

मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''हमें मीडिया में आई उन खबरों की जानकारी है जिनमें कहा गया है कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक अटारी में फंसे हुए हैं। अगर भारतीय अधिकारी हमारे नागरिकों को अपनी सीमा पार करने की अनुमति देते हैं तो हम उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।''

प्रवक्ता ने कहा कि लौटने के इच्छुक पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भविष्य में भी वाघा सीमा खुली रहेगी।

विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के भारत के फैसले की आलोचना की।उन्होंने चिकित्सकीय उपचार में बाधा पैदा होने एवं लोगों के अपने परिवारों से जुदा होने का हवाला देते हुए कहा, ''पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का भारत का फैसला गंभीर मानवीय चुनौतियां पैदा कर रहा है।''पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किए जाने के बाद भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को 'भारत छोड़ने' का नोटिस जारी किया था।इसके तहत विभिन्न वीजा श्रेणियों के लिए भारत छोड़ने की अलग-अलग अंतिम तिथियां निर्धारित की गई थीं।दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) वीजा धारकों के लिए यह समयसीमा 26 अप्रैल थी और मेडिकल वीजा धारकों के लिए यह 29 अप्रैल थी। अन्य 12 श्रेणियों के वीजा के लिए अंतिम तिथि 27 अप्रैल थी।समयसीमा खत्म होने के बाद कोई भी भारत या पाकिस्तान की ओर से एक-दूसरे के देश में प्रवेश नहीं कर सका।भारत के इस कदम के बाद इस्लामाबाद ने भी वाघा सीमा चौकी को बंद कर दिया था और दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारतीयों को दिए गए वीजा रद्द कर दिए थे।

आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में पाकिस्तान के भारत के साथ सहयोग की उम्मीद : वेंस

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस ने कहा है कि अमेरिका को उम्मीद है कि भारत पहलगाम आतंकवादी हमला मामले में इस तरह से कार्रवाई करेगा कि ''बड़ा क्षेत्रीय संघर्ष'' पैदा नहीं हो।वेंस कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि पाकिस्तान भी अपनी सरजमीं से कभी-कभी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को पकड़ने में भारत के साथ ''सहयोग'' करेगा।जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जब ये हमला किया था तब वेंस और उनका परिवार भारत की चार दिवसीय यात्रा पर था। यह हमला 2019 में पुलवामा हमले के बाद सबसे भीषण आतंकवादी हमला है।वेंस ने बृहस्पतिवार को 'फॉक्स न्यूज' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''हमें आशा है कि भारत इस आतंकवादी हमला मामले में इस तरह से कार्रवाई करेगा कि बड़ा क्षेत्रीय संघर्ष उत्पन्न नहीं हो।''वेंस से 'फॉक्स न्यूज' की 'स्पेशल रिपोर्ट' में पूछा गया था, ''क्या आप भारत और पाकिस्तान को लेकर चिंतित हैं?'' इस पर उन्होंने कहा, ''मैं चिंतित हूं, क्योंकि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं।''उपराष्ट्रपति ने कहा, ''हम स्पष्ट रूप से भारत और पाकिस्तान में अपने मित्रों के साथ निकट संपर्क में हैं। हमें आशा है कि भारत इस आतंकवादी हमले को लेकर इस तरह से कार्रवाई करेगा कि बड़ा क्षेत्रीय संघर्ष नहीं हो।''वेंस ने कहा, ''हम आशा करते हैं कि पाकिस्तान अपनी जिम्मेदारी के अनुसार भारत के साथ सहयोग करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों को पकड़ा जाए और उनसे निपटा जाए। हम आशा करते हैं कि यह इसी तरह आगे बढ़ेगा, हम स्पष्ट रूप से निकट संपर्क में हैं। हम देखेंगे कि क्या होता है।''पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के बीच वेंस की ये टिप्पणी अहम मानी जा रही है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे।

इजराइली सेना ने सीरिया के राष्ट्रपति भवन के निकट किया हमला

दमिश्क। सीरियाई प्राधिकारियों को दक्षिणी सीरिया में एक अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के गांवों की ओर न बढ़ने की चेतावनी देने के बाद इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार तड़के सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास हमला किया।यह हमला राजधानी दमिश्क के पास सीरिया सरकार के समर्थक बंदूकधारियों और ड्रूज अल्पसंख्यक संप्रदाय के लड़ाकों के बीच कई दिनों तक हुई झड़पों के बाद किया गया है। इन झड़पों में दर्जनों लोग हताहत हुए थे।शुक्रवार की सुबह किया गया हमला इस सप्ताह इजराइल द्वारा सीरिया पर किया गया दूसरा हमला है। राष्ट्रपति भवन के निकट किया गया हमला सीरिया के नए नेतृत्व के लिए एक कड़ी चेतावनी प्रतीत होता है।सीरिया में ड्रूज के आध्यात्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने समुदाय पर हमले के लिए बृहस्पतिवार को सीरिया सरकार की कड़ी आलोचना की थी।इजराइली सेना ने एक बयान में बताया कि लड़ाकू विमानों ने दमिश्क में राष्ट्रपति हुसैन अल-शरा के आवास के नजदीक हमला किया। उसने कोई और विवरण नहीं दिया।सरकार समर्थक सीरियाई मीडिया संगठनों ने कहा कि हमला शहर के ऊपर एक पहाड़ी पर राष्ट्रपति भवन 'पीपुल्स पैलेस' के नजदीक हुआ।ड्रूज एक अल्पसंख्यक समूह है। दुनिया भर में ड्रूज समुदाय के लगभग 10 लाख लोग हैं जिनमें से आधे से अधिक सीरिया में रहते हैं।

चीन ने अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर कब्जा कर रखा है- ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अफगानिस्तान में उस बगराम एयर बेस पर अब चीन का कब्जा है जिसे अमेरिका ने 2021 में खाली कर दिया था। अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपने सबसे बड़े 'एयरफील्ड' बगराम को जुलाई 2021 में खाली कर दिया था। उस समय जो बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति थे।ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्रीय प्रार्थना दिवस को संबोधित

करते हुए बृहस्पतिवार को कहा, ''ज हम बगराम को अपने पास रखने जा रहे थे, जो बड़ा वायुसेना अड्डा है, जो उस जगह से एक घंटे की दूरी पर है जहां चीन अपने परमाणु हथियार बनाता है। वे यही करते हैं। वे बगराम से एक घंटे की दूरी पर अपनी परमाणु मिसाइलें बनाते हैं और मैंने कहा कि आप बगराम को नहीं छोड़ सकते।''उन्होंने कहा, ''उन्होंने (अमेरिका ने) बगराम को छोड़ दिया और अब चीन ने बगराम पर कब्जा कर रखा है। यह बहुत दुखद है।

यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक है, दुनिया के सबसे मजबूत एवं सबसे लंबे रनवे में से एक है और यह उस जगह से एक घंटे की दूरी पर है जहां चीन अपनी परमाणु मिसाइल बनाता है।''ट्रंप ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन के तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को ''विनाशकारी'' बताया।

भारत-पाक के बीच स्थिति पर जल्द ही सुरक्षा परिषद की बैठक होने की उम्मीद: परिषद अध्यक्ष

परमाणु हथियार संपन्न दक्षिण एशियाई देशों भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर चिंता जताई

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यूएनएससी) अध्यक्ष ने परमाणु हथियार ंपन्न दक्षिण एशियाई देशों भारत और ाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर चिंता ाताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच की स्थिति पर चर्चा करने के लिए सुरक्षा परिषद ी बैठक जल्द हो सकती है। उन्होंने कहा क सुरक्षा परिषद की यह बैठक विचार ्यक्त करने तथा तनाव कम करने में मदद रने का एक अवसर होगी।

मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के ध्यक्ष यूनान के राजदूत एवं संयुक्त राष्ट्र देश के स्थायी प्रतिनिधि इवेंजेलोस ाकेरिस ने 'पीटीआई-भाषा' द्वारा पूछे गए क सवाल के जवाब में कहा, ''बेशक,

अगर बैठक के लिए अनुरोध आता है, तोज मुझे लगता है कि यह बैठक होनी चाहिए क्योंकि जैसा कि हमने कहा कि संभवतः यह विचार व्यक्त करने का एक अवसर भी है और इससे तनाव कम करने में कुछ मदद मिल सकती है। हम इस पर विचार करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''हम निकट संपर्क में हैंज लेकिन यह कुछ ऐसा है जो हो सकता है, मैं कहूंगा, जल्द होगा। हम विचार करेंगे, हम तैयारी कर रहे हैं। यह मेरे (यूएनएससी) अध्यक्ष पद का पहला दिन है।''सेकेरिस ने बृहस्पतिवार को यहां संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं को सुरक्षा परिषद की मई महीने के लिए यूनान की अध्यक्षता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने 15 देशों के संयुक्त राष्ट्र निकाय की यूनान की एक महीने की अध्यक्षता के तहत परिषद के कार्य एवं कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उनसे भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बारे में पूछा गया था और यह भी पूछा गया था कि क्या उन्हें परिषद में इस मुद्दे पर बैठक या परामर्श के लिए कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है।पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद से भारत के पीड़ित होने के बारे में 'पीटीआई-भाषा' द्वारा पूछे गए पूछे गए एक सवाल के जवाब में सेकेरिस ने कहा, ''यह एक ऐसा मुद्दा है जो बहुत ही प्रासंगिक है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि हम आतंकवाद के किसी भी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और यही हमने पहलगाम में हुए ''जघन्य आतंकवादी हमले'' पर किया है जिसमें निर्दोष लोग मारे गए।'' भारत सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है।सेकेरिस ने कहा कि ''हम भारत सरकार, नेपाल और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद की सभी रूपों में निंदा करते हैं, हर जगह जहां भी ऐसी (आतंकवादी) घटनाएं हो रही हैं, हम उनकी निंदा करते हैं। दूसरी ओर, हम इस तनाव को लेकर चिंतित हैं जो इस क्षेत्र में बढ़ रहा है। दो बहुत बड़े देश।

ट्रंप ने 'पीबीएस', 'एनपीआर' की सरकारी सब्सिडी में कटौती संबंधी शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक प्रसारकों 'पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विस' (पीबीएस) और 'नेशनल पब्लिक रेडियो' (एनपीआर) को दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती संबंधी शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने इन मीडिया संस्थानों पर रिपोर्टिंग के दौरान ''पक्षपातपूर्ण'' होने का आरोप लगाया है।आदेश में सार्वजनिक प्रसारण निगम और अन्य संघीय एजेंसियों को 'एनपीआर' एवं 'पीबीएस' के लिए ''संघीय निधि को रोकने'' का निर्देश दिया गया है तथा यह भी कहा गया है कि वे इन समाचार संगठनों के लिए सरकारी वित्तपोषण के अप्रत्यक्ष स्रोतों को समाप्त करने के लिए काम करें।अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने आदेश पर हस्ताक्षर किए जाने की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' के जरिए कहा कि इन समाचार संगठनों को करदाताओं से लाखों डॉलर मिलते हैं, लेकिन वे ''समाचार के नाम पर कट्टरपंथी दुष्प्रचार का काम करते हैं।''प्रसारकों को सार्वजनिक प्रसारण निगम के माध्यम से सरकार से लगभग 50 करोड़ डॉलर का धन मिला करता था।

सांप्रदायिक हमलों की चेतावनी देने के बाद इजराइली सेना ने सीरिया के राष्ट्रपति भवन पर हमला किया

दमिश्क। इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार तड़के सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास हमला किया। इससे कुछ ही घंटे पहले इजराइल ने सीरियाई प्राधिकारियों को दक्षिणी सीरिया में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के गांवों की ओर न बढ़ने की चेतावनी दी थी। यह हमला राजधानी दमिश्क के पास सीरिया सरकार के समर्थक बंदूकधारियों और ड्रूज अल्पसंख्यक संप्रदाय के लड़ाकों के बीच कई दिनों तक चली झड़पों के बाद हुआ है। इन झड़पों में दर्जनों लोग हताहत हुए थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम भूपेंद्र पटेल ने जिस महिला को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई

हरणी बोटकांड में अपने बच्चों को खो चुकी पीड़िताएं थीं।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक महिला को डांटने या फटकारने की घटना के बाद, वह महिला अब सामने आई है और उसने इस पर प्रतिक्रिया दी है। महिला ने कहा कि उसकी मंशा गलत नहीं थी और वह सिर्फ अपनी समस्या या मांग को सामने रख रही थी।

महिला ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का व्यवहार अप्रत्याशित था, लेकिन वह अब भी उम्मीद करती है कि सरकार उसकी बात सुनेगी और समाधान निकालेगी। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

वडोदरा के दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में शुक्रवार (2 मई) को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा 1156 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

इस चल रहे कार्यक्रम के दौरान हरणी बोटकांड की दो पीड़ित महिलाएं मुख्यमंत्री के सामने जोर-जोर से अपनी बात रखने लगीं। ये महिलाएं और कोई नहीं बल्कि हरणी बोटकांड में अपने बच्चों को खो चुकी पीड़िताएं थीं।

जैसे ही उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखने की कोशिश की, सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें जबरदस्ती बैठा दिया। इस पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी नाराज़ हो गए और कहा कि ये महिलाएं "एक तयशुदा एजेंडे के तहत" आई हैं, और उन्हें बैठने के लिए कहा।

मुख्यमंत्री के इस रवैये के खिलाफ एक पीड़िता ने भावुक प्रतिक्रिया देते हुए कहा:

"क्या हम आतंकवादी हैं? क्या हम अपराधी हैं? हमारा कसूर सिर्फ इतना है कि हमने अपने बच्चे खो दिए हैं..."

इस घटना को लेकर अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छिड़ गई है।

वडोदरा में जब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में संबोधन

कर रहे थे, तभी अचानक दो महिलाएं खड़ी हो गईं और हरणी बोटकांड व आवास मुद्दे को लेकर तीव्र विरोध और अपनी बात रखने लगीं।

इन महिलाओं की बात सुनने के बजाय मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सीधे उन पर आरोप लगाया और कहा:

"आप स्पेशल एजेंडे के साथ आई हैं बहन, ऐसा नहीं हो सकता, इस तरह बात नहीं होती, बाद में मिल लेना।"

इस पर सामने से महिलाओं ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा "हम शांतिपूर्वक मिलना चाहते थे, पिछले डेढ़ साल से दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, लेकिन कोई हमें मिलने नहीं देता।

यह घटना मंच पर और जनता के सामने घटी, जिसने पूरे प्रदेश में एक संवेदनशील बहस छेड़ दी है कि पीड़ितों की आवाज को इस तरह नजरअंदाज करना कितना उचित है।

जब ये महिलाएं बोल रही थीं, तो सुरक्षा कर्मियों और महिला पुलिस स्टाफ ने उनका मुँह दबाकर उन्हें बोलने से रोक दिया और फिर दोनों महिलाओं को हॉल से बाहर ले जाया गया। इस दौरान दोनों महिलाओं और उनके पतियों को क्राइम ब्रांच ने हिरासत में भी लिया। बाद में पूछताछ के बाद उन्हें मुक्त कर दिया गया।

पीड़ित महिलाओं का मुँह दबा देना यह कहाँ के संस्कार हैं?

महिलाओं के बयान के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने

सुफियानी बात करते हुए कहा, "जब कोई कार्यक्रम में आए तो इस तरह से प्रस्तुति देना हमारी संस्कारी नगरी को शोभा नहीं देता।"

लेकिन सवाल यह है कि जो महिलाएं अपना बच्चा खो चुकी हैं, जिनकी कोई बात सुनने वाला नहीं है, जिन्हें डेढ़ साल से भी न्याय नहीं मिला है, तो वह पीड़ित महिला आखिरकार अपनी बात रखने के लिए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जाती है, और वहां उसे चुप रहने के लिए कहा जाता है और उसका मुँह दबा दिया जाता है, क्या यह कोई संस्कार है?

मुख्यमंत्री ने बाद में उलझन में आकर कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा, "वह बहन स्पेशल एजेंडे के तहत आई हैं, हमें उनकी बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।" इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने "भारत माता की जय" के नारे लगाए, जिससे दोनों महिलाओं की आवाज़ दब गई।

महिलाओं के पतियों की गिरफ्तारी की गई पूरी घटना के बाद पुलिस ने महिलाओं के पतियों को गिरफ्तार किया और उनसे पूछताछ शुरू की। हालांकि, कार्यक्रम खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री ने दोनों महिलाओं को मिलने के लिए बुलाया और उनकी समस्याओं को सुना।

लेकिन, उस मुलाकात के बाद यह स्पष्ट नहीं हुआ कि महिलाओं की समस्या का कोई समाधान हुआ या नहीं।

469 दिन बाद भी नहीं मिला न्याय यह ध्यान देने योग्य है कि हरणी बोटकांड के 469 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन फिर भी पीड़ित परिवारों को कोई न्याय नहीं मिला है। इस बोटकांड में 14 लोग अपनी जान गंवा चुके थे, जिनमें 12 मासूम बच्चे और दो शिक्षक शामिल थे।

इस स्थिति में बार-बार गुजरात सरकार ने जनता को आश्वासन दिया, लेकिन आज तक पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में सरकार नाकाम रही है। गृह राज्य मंत्री कानून-व्यवस्था की बातें करते हुए और च्कानून में रहोगे तो फायदे में रहोगेज के नारे लगाते नजर आते हैं।

राज्य में कानून और व्यवस्था के नाम पर केवल वरगोड़ों जैसे नाटकों का प्रदर्शन किया जाता है। लेकिन जब जमीन पर स्थिति देखी जाती है, तो पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाता। इसके अलावा, अधिकारी और मंत्री पीड़ितों से मिलने का कोई प्रयास नहीं करते, उनकी रिप्रेजेंटेशन भी नहीं सुनते, और जब वे सार्वजनिक मंच से अपनी बात रखने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें च्एक एजेंडे के तहत आए हुएज कहकर सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता है।

इस घटना के बाद सवाल यह उठता है कि मृदु और मक्कम होने का दावा करने वाले मुख्यमंत्री की मृदुता और मक्कमता कहाँ गई? गृह राज्य मंत्री के "कानून में रहोगे तो फायदे में रहोगे" के दावों का जमीन पर कब असर दिखाई देगा?

मंत्री पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए उनकी प्रस्तुति कब सुनेंगे? कब तक लोग पैसे कमाने की हवस में ऐसे निर्दोषों की जान लेंगे? और सरकार हर बार दूसरी घटना होने तक आश्वासन और सांत्वना देकर अपना बचाव करती रहेगी?

चार साल से फरार कपड़ा दलाल पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के जोन 1 LCB ने चार साल से फरार एक कपड़ा दलाल को राजस्थान से पकड़ लिया है। आरोपी ने व्यापारीयों से लाखों का माल लेकर ठगी की थी। वह कई व्यापारियों को धोखा देकर माल लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सूरत शहर के कपड़ा मार्केट से जुड़े लाखों की ठगी के मामले में फरार कपड़ा दलाल की गिरफ्तारी की गई है। चार साल से फरार कपड़ा दलाल चंदनसिंह उमेदसिंह राव को सलाबतपुरा पुलिस की जोन-1 ख्क्क टीम ने राजस्थान से पकड़ा है। आरोपी के खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद वह फरार हो गया था।

आरोपी चंदनसिंह उमेदसिंह राव (उम्र 32 वर्ष) कपड़ा दलाली का काम करता था। वह सूरत के गोदादरा क्षेत्र के भावना पार्क सोसाइटी, विभाग-01, शनिदेव मंदिर के पास रहता था, जबकि उसका मूल निवास राजस्थान राज्य के सिरोही जिले के बरलू तालुका के एवीडी गांव में था।

आरोपी के खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में आरोप था कि उसने सूरत के रिंग रोड के विभिन्न कपड़ा मार्केट में व्यापारियों से लाखों रुपये के कपड़े का सौदा कराया था। हालांकि, उसने यह माल अन्य व्यापारियों को दे दिया और पैसे नहीं दिए, जिससे व्यापारियों के साथ ठगी की। इस प्रकार, उसने विभिन्न व्यापारियों के साथ लाखों की ठगी की थी।

इस मामले में शिकायत के बाद आरोपी पिछले चार सालों से पुलिस से बचकर भाग रहा था और उसने अपना ठिकाना बदलकर राजस्थान में छिपकर रहना शुरू कर दिया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई बार प्रयास किए गए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। हाल ही में, जोन-1 LCB टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि आरोपी चंदनसिंह राव राजस्थान के अपने गांव बरलू में छिपा हुआ है।

सूचना के आधार पर ख्क्कटीम ने तुरंत कार्रवाई की और राजस्थान जाकर चंदनसिंह राव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे सूरत लाकर कानूनी प्रक्रिया शुरू की। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे सलाबतपुरा पुलिस को सौंप दिया गया है और अब पुलिस उसकी ओर से और जांच कर रही है।

सूरत शहर के व्यापारियों के साथ हुई इस बड़ी ठगी के मामले में चार साल बाद आरोपी की गिरफ्तारी से व्यापारी समुदाय में राहत की भावना देखने को मिली है। अब पुलिस आरोपी चंदनसिंह राव से और जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रही है कि उसने कितने व्यापारियों के साथ ठगी की है और कुल कितनी रकम ली थी।

सूरत में विवाहिता का फांसी लगाकर आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में 25 वर्षीय लक्ष्मी गौतम स्वाई नाम की विवाहिता ने अपने बेटे को कुरकुरे लेने भेजकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। फिलहाल लक्ष्मी का शव पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है और पांडेसरा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पति ने पत्नी के आत्महत्या के कारण के बारे में बताया कि गांव जाने को लेकर उनका झगड़ा हुआ था और फिर इसके बाद उसने यह कदम उठाया। जबकि मृतका के भाई ने बताया कि काफी समय से जीजा शराब पीकर घर आते थे और मेरी बहन को मारते थे, जिससे तंग आकर मेरी बहन ने फांसी लगा ली।

मिली जानकारी के अनुसार, लक्ष्मी गौतम स्वाई मूल रूप से ओडिशा की निवासी थी और पांदेसरा क्षेत्र में स्थित अविर्भाव सोसाइटी में अपने परिवार के साथ रह रही थी। परिवार में पति और एक चार साल का बेटा है। पति संचा खातों में काम करता था और परिवार का पालन पोषण करता था। लक्ष्मी और गौतम का पांच साल पहले विवाह हुआ था और उनका एक बेटा है।

मृतक लक्ष्मी के भाई मंगला ने बताया कि, "मेरे जीजा शराब पीकर आकर मेरी बहन को मारते थे। मैंने दो से तीन बार उन्हें समझाया था कि आप परिवार के सदस्य हैं, तो शराब कम पीनी चाहिए, लेकिन वह रोज शराब पीकर आकर मेरी बहन को मारते थे। उनके शादी को पांच साल हो चुके थे, और शादी के पहले दो साल उन्होंने मेरी बहन को नहीं मारा, लेकिन पिछले तीन साल से शराब पीकर वह उसे मारने लगे थे। कल रात मैं अपनी बहन के घर गया था, लेकिन वह बाथरूम में थी, इसलिए मैं लौट आया।ज्ज मंगला ने आगे कहा, "मैं अपनी बहन को भी समझाता था, लेकिन जब मैं घर वापस पहुंचा, तो जीजा का फोन आया और उसने कहा कि मेरी बहन ने फांसी लगा ली। जब मैंने जाकर पूछा, तो उसने कहा कि मुझे कुछ नहीं पता, बस उसने यह कदम उठा लिया है। मेरी बहन अब नहीं रही, लेकिन मेरा भांजी अब हमें मिलना चाहिए, यही हमारी एकमात्र मांग है।"

यह भी उल्लेखनीय है कि मृतक लक्ष्मी का चार साल का एक बेटा था। लक्ष्मी के इस कदम के कारण उसके बेटे ने अपनी मां की छांव खो दी है, और परिवार में शोक का माहौल छा गया है। पांडेसरा पुलिस ने इस मामले में ससुराल और मायके पक्ष दोनों के बयान दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है।

सुमुल डेरी के दूध में भी प्रति लीटर 2 रुपये तक की वृद्धि की संभावना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अमूल डेरी द्वारा दूध की कीमतों में वृद्धि करने के बाद अब सुंमुल डेयरी ने भी आने वाले दिनों में दूध की कीमतों में वृद्धि के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में सुंमुल डेरी द्वारा सभी प्रकार के दूध की कीमतों में प्रति लीटर 2 रुपये का वृद्धि की जाएगी। सुंमुल डेरी में सूरत और तापी जिले के पशुपालकों द्वारा रोजाना 14 लाख लीटर तक दूध भरवाया जाएगा।

कुछ दिन पहले भी सुंमुल डेरी द्वारा पशुपालकों को किलोफेट वित्त बोनस दिया गया था। सुंमुल डेरी के सूत्रों के मुताबिक, सुंमुल डेरी द्वारा भी आने वाले दिनों में दूध की कीमतों में वृद्धि की संभावना व्यक्त की जा रही है। खासकर घासचारक की कीमतों में वृद्धि और प्रसंस्करण खर्च में

सुमुल गोल्ड, ताजा और शक्ति के दाम बढ़ने वाले हैं। घास की कीमतों में वृद्धि और प्रसंस्करण खर्च इसके कारण हैं।

वृद्धि के कारण सुंमुल द्वारा भी कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। जिसमें सुंमुल डेरी के प्रमुख उत्पाद जैसे सुंमुल ताजा, सुंमुल शक्ति और सुंमुल गोल्ड की कीमतों में वृद्धि की जाएगी।

घास की कीमत में वृद्धि और प्रसंस्करण खर्च इसके कारण हैं। सुंमुल गोल्ड, ताजा और शक्ति की कीमतें बढ़ेंगी। प्रसंस्करण खर्च में भी वृद्धि हुई है। सुंमुल डेरी के निदेशक जयेश देलाडे ने कहा कि, वर्तमान में पशुचारक की कीमतों में वृद्धि हुई है, इसके साथ ही अन्य प्रसंस्करण खर्चों में भी वृद्धि हुई है। जिसके कारण आने वाले दिनों में सुंमुल डेरी द्वारा दूध की कीमतों में वृद्धि की जाएगी।

12 वर्षीय लापता किशोर का शव खाली प्लॉट में बंद कार से मिला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

12 वर्षीय गुम हुए किशोर का शव एक खाली प्लॉट में बंद कार से बरामद हुआ है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दाहोद से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक किशोर का शव एक बंद पड़ी कार से मिला, जिससे इलाके में हलचल मच गई है। दाहोद जिले के लीमड़ी नगर में गुम हुए बच्चे का शव मृत अवस्था में मिला है। यह बच्चा लीमड़ी नगर का 12 वर्षीय हर्ष सोनी था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कल दोपहर के समय बच्चा गुम हुआ था। पुलिस और परिवार ने रात भर उसकी तलाश की। दोपहर के समय बच्चे का शव एक खानगी प्लॉट में पड़ी एक गैर-उपयोगी गाड़ी से मिला। गांव के सभी सीसीटीवी कैमरे बंद थे, जिसके कारण जांच में देरी हुई। लिंदी नगर में लगाए गए सभी सीसीटीवी कैमरे शोभना गांठिया समान निकले। फिलहाल छ्ङ्कस्क सहित पुलिस स्टाफ घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

झघड़िया दुष्कर्म-हत्या केस में 72 दिनों में आरोपी को फांसी, भारतीय न्याय संहिता के तहत फैसला

झघड़िया में दुष्कर्म और हत्या के मामले में, 72 दिनों के भीतर आरोपी को फांसी की सजा सुनाई गई है। यह फैसला भारतीय न्याय संहिता के तहत लिया गया है।

भरूच जिले के झघड़िया जीआईडीसी क्षेत्र में 10 वर्षीय बच्ची के साथ हुए दरिंदगी और हत्या के मामले में भरूच की अंकलेश्वर सत्र न्यायालय ने 72 दिनों के भीतर फैसला सुनाते हुए आरोपी विजय पासवान को फांसी की सजा दी है। यह निर्णय पूरे राज्य में कठोर न्याय के नए युग की शुरुआत का संकेत है। यह फैसला भारतीय न्याय संहिता (ख्रस) के तहत लिया गया है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना के बाद भरूच एसपी श्री मयूर चावड़ा ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल SIT (विशेष जांच दल) का गठन किया था। इस टीम में छ्ङ्कस्क डॉ. कुशल ओजा, ख्क्क क्क्ष्ठ मनीष वाला, स्हृत्र क्क्ष्ठ एम.एच. वाघेर, झघड़िया क्क्ष्ठ नितिन चौधरी सहित 10 से अधिक अधिकारियों को शामिल किया गया था। स्ढ्ढञ्ज ने त्वरित जांच शुरू की और कुछ घंटों के भीतर आरोपी विजय पासवान को गिरफ्तार कर लिया।

न्यायिक लड़ाई और न्याय का फैसला इस मामले की एक महत्वपूर्ण बात यह थी कि सरकारी वकील परेश पंड्या ने पूरी तरह से केस की लड़ाई लड़ी।

उन्होंने आरोपी के कृत्य को "रेस्ट ऑफ द रेर" श्रेणी में रखने की अपील की थी। अदालत ने पीड़िता के इलाज की रिपोर्ट, पेटल कथन, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और पुलिस की जांच के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया।

"सेल्फ नेवल एलाइनमेंट एंड मर्मा थेरेपी" वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गुरुवार से दो दिन का च्ज्सेल्फ नेवल एलाइनमेंट एंड मर्मा थेरेपीज्ज वर्कशॉप का आयोजन सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि आजकल के व्यस्त जीवन में हर व्यक्ति किसी न किसी तनाव में रहता है और इस वर्कशॉप को रखने का उद्देश्य यही था कि कैसे हम अपने जीवन में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन और शांति ला सकते है। इन्ही समस्याओं से निवारण हेतु मेंटर दीपक वत्स द्वारा ब्रेन बॉडी सिंक एक्टिविटीज,गेम्स,डांस और म्यूजिक के जरिए बहुत ही आसान तरीके से यह तकनीक सिखाई गई। इस वर्कशॉप में महिलाओं ने बहुत ही उत्सुकता से भाग लिया। इस कार्यक्रम में महिला शाखा की सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, संजू खेमानी, शालिनी मित्तल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

>> मटकों एवं कुण्डों का वितरण - महिला शाखा द्वारा शुक्रवार को तपती गर्मी में पंछियो के लिए अमृतकुण्ड बनवाने हेतु कुण्डों का वितरण किया गया एवं लोगों लो मटके भी दिए गए।